रांची, शुक्रवार, 1 अगस्त 2025

संवत 2082, श्रावण शुक्ल 8 संवत मूल्य 2 रुपये

वर्ष-8, अंक 328 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

सांध्य दैनिक

4 ▸▸ आरएसएस, मुसलमान और राष्ट्रीय एकता

धोनी नंबर वन, रोहित को दूसरा स्थान रायुडू ने भारतीय कप्तानों को दी रैंकिंग ◂◂ 6

सत्यमेव जयते

झारखण्ड सरकार GOVERNMENT OF JHARKHAND

श्रीमती द्रौपदी मुर्मु

भारत की माननीय राष्ट्रपति

का वीर भूमि झारखण्ड में

अभिनंदन और

जोहार

दिनांक: 31 जुलाई और 1 अगस्त 2025

श्री संतोष कुमार गंगवार
माननीय राज्यपाल, झारखण्ड

श्री हेमन्त सोरेन
माननीय मुख्यमंत्री, झारखण्ड

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, झारखण्ड सरकार

PR- 358699 (IPRD) 25-26

न्यूज IN ब्रीफ

जुर्दाग में ट्रेलर पलटा

खूंटी: जिले के खूंटी- सिमडेगा मार्ग पर पेलोल बस्ती के समीप बनाई नदी का पुल टूटे डेढ़ महीना होने को है, पर अभी तक कोई भी डाइवर्सन बन के तैयार नहीं हुआ है । जिसका खामियाजा खूंटी की जनता और इस मार्ग से गुजरने वाले लोगों को चुकाना पड़ रहा है। आए दिन खूंटी जुर्दाग मार्ग पर कोई न कोई हादसा होता रहता है। कभी गाड़ी फंस जाती है तो, कोई किसी को टक्कर मार कर भाग जाता है कभी गाड़ी पलट जाती है। पर कोई सुध लेने वाला नहीं है। कल जुर्दाग मार्ग पर एक ट्रेलर पलट गया। जिसपर स्टील की रोल लोड थी। जिससे ट्रेलर पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया वही ड्राइवर को मामूली चोट आई है। ट्रेलर के ड्राइवर गुलजार ने बताया कि वो अपने ट्रेलर से झासुगौडा से टाटा माल लेकर जा रहा था। मुख मार्ग का पुल टूटा होने के कारण जुर्दाग के इस रस्ते से जा रहा था। रास्ता पतला और घुमाओदार होने के कारण सामने से आ रही एक काफी तेज गति के बाइक को बचाने के कर्म में गाड़ी अनियंत्रित हो कर पलट गयी। इस घटना के बाद बाइक सवार भाग निकला, वही ट्रेलर पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। इस घटना में किसी की जान नहीं गई पर नुकसान काफी हुआ है। बाद में ट्रेलर को दो क्रेन की सहायता से मार्ग से हटाया गया। पुल टूटने और समय से डायवर्सन ना बनने से लोग परेशान और लगातार घटनाएं हो रही है। लोगो ने काफी आक्रोश है।

रामेश्वर लाल खंडेलवाल विद्या मंदिर में मनाई गई गोस्वामी तुलसीदास की जयंती

चतरा : स्थानीय मुख्यालय क्षेत्र के रामेश्वर लाल खंडेलवाल विद्या मंदिर में गुरुवार को गोस्वामी तुलसीदास जयंती मनाई गई। कार्यक्रम का मंच संचालन विद्यालय नवीं वर्ग सीबीएसई की बहन श्रुति और साक्षी ने की। कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। कार्यक्रम की भूमिका विद्यालय के आचार्य अजय कुमार पाठक ने प्रस्तुत किया। तत्पश्चात विद्यालय के भैया बहनों में कृति मित्तल, प्रियांशु पांडे,आयुष कुमार, अनुराग कुमार,सृष्टि सिंह, वैष्णवी, दीप्ति ग्रुप ने गोस्वामी तुलसीदास पर आधारित भाषण, गीत संगीत एवं कविता के माध्यम से वातावरण को रोमांचित बनाया।उनके बाद विद्यालय के आचार्य मनोज कुमार ने गोस्वामी तुलसीदास के जीवनी पर आधारित घटनाओं का व्याख्या किया। वही विद्यालय के आचार्य सतीश कुमार चन्द्र ने स्वरचित कविता के माध्यम से कार्यक्रम को सरस बनाया। तत्पश्चात विद्यालय के प्रधानाचार्य गोस्वामी तुलसीदास के कर्मों को बताते हुए उनसे प्रेरणा लेने का बात कहीं। वहीं विद्यालय के आचार्य अजय कुमार मिस्त्री ने धन्यवाद ज्ञापन करते हुए कार्यक्रम को संपन्न किया।

एएम सिद्दीक पब्लिक स्कूल में हेड बॉय/हेड गर्ल और ग्रुप कप्तान का चुनाव संपन्न

,9

चतराः शहर के सुप्रसिद्ध शिक्षण संस्थान एएम सिद्दीक पब्लिक स्कूल में लोक तांत्रिक प्रणाली से स्कूल में शैक्षणिक माहौल बनाने एवं सुशासन स्थापित करने के उद्देश्य से स्कूल में हेड बॉय,हेड गर्ल्स और कैप्टन का चुनाव सम्पन्न किया गया।स्कूल के छात्र एवं छात्राओं में चुनाव की महत्ता एवं लोकतांत्रिक प्रदेशों में आप के एक वोट से आपके बीच में रहने वाला व्यक्ति किस तरह बड़ी बड़ी कुर्सियों पर बिराजमान हो जाता है।वोटों से किस तरह से सरकारें बनती बिगड़ती हैं।वोट से ही नेता विधान सभा और संसद तक पहुंचता है।एक वोट की एहमियत और शक्ति का पाठ पढ़ाया गया।क्योंकि यही बच्चे आने वाले कल के भविष्य हैं।चुनाव में भाग लेने के लिए छात्रों ने विधिवत रूप से नामांकन पत्र दाखिल किया।चुनावी मैदान में चुनाव लडने वाले छात्र (प्रत्याशी) को चुनाव चिन्ह आवंटित किया गया। प्रत्याशियों के समर्थकों ने अपने-अपने उम्मीदवारों पक्ष में चुनाव प्रचार भी किया। चुनावी प्रक्रिया में इलेक्शन ऑफिसर की भूमिका में विद्यालय के प्राचार्य आरिफ हसन ने महत्व पूर्ण भूमिका निभाई।हसन ने बताया कि चुनाव न सिर्फ नेतृत्व की क्षमता को उजागर करता हैं बल्कि देश में अपने कर्तव्यों और सहभागिता के प्रति सजग करता है। हमें गर्व है कि हमारे छात्र इतने उत्साह और ईमानदारी से इस प्रक्रिया में भाग लिए हैं।यही छात्र देश के भविष्य की नई गाथा लिखने में योगदान देंगे।बूथ इनचार्ज एजाज अहमद और काशीफ इब्न अब्दाल का भी अहम योगदान रहा है।स्कूल के शिक्षक एवं शिक्षिका में नगमा आफरीन,मुस्कान, शमा,सादिया, साइमा, सिद्दीका, मो. अली, मुद्दशिरा, नुसरत, आरजू, सीमा, सीमा शाहीन, नवीन यादव, सौरभ कुमार व हाफिज राशिद ने अहम भूमिका निभाई।वही विद्यालय के निर्देशक प्रो. उमर फारूक ने बच्चों को पोलिंग, चुनाव के बारे में व्यापक रूप से समझाया।बच्चों को पूरी चुनावी प्रक्रिया समझाकर चुनाव को संपन्न कराया गया।

राशि घटाए जाने से ममता वाहन संघ नाराज, सिविल सर्जन को सौंपा ज्ञापन

चतराः ममता वाहन संघ चतरा जिला इकाई के वाहन संचालकों ने सिविल सर्जन से मिलकर मांगों के समर्थन में एक ज्ञापन सौंपा। सिविल सर्जन को सौंपे गए ज्ञापन में ममता वाहन के संचालकों ने बताया कि चतरा जिले में वर्ष 2011 से 122 ममता वाहनों का संचालन कॉल सेंटर के माध्यम से किया जा रहा है। ममता वाहन संचालकों को प्रसुति महिलाओं को लाने ले जाने के लिए अस्पताल से छह किलोमीटर की दूरी के लिए मात्र 500 रुपए का भुगतान मिलता है। छह किलोमीटर से अधिक दूरी से मरीज को लाने ले जाने पर 13 रुपए प्रति किलोमीटर की दर से भुगतान किया जा रहा था। लेकिन झारखंड सरकार के स्वास्थ्य निदेशक के द्वारा बीते पांच जून को एक निर्देश जारी किया गया है, जिसमें ममता वाहन के संचालन के लिए निर्धारित दर में कटौती कर दी गई है। नए दर के तहत ममता वाहन संचालकों को छह किलोमीटर तक के लिए 300 रुपए तथा छह किलोमीटर के बाद की दूरी के लिए 9 रुपए प्रति किलोमीटर की दर से भुगतान का आदेश जारी किया गया है।

अरगोड़ा स्थित निजी अस्पताल में नवजात की मृत्यु प्रकरण पर जिला प्रशासन गंभीर

उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री ने दिए जांच के आदेश

उपायुक्त के आदेश पर जांच समिति का गठन

जांच के उपरांत अस्पताल प्रबंधन या संबंधित किसी भी व्यक्ति की लापरवाही या दोष सिद्ध होने पर होगी नियमसंगत कठोर कार्रवाई

संवाददाता

रांची : राजधानी रांची के अरगोड़ा स्थित निजी अस्पताल में नवजात की मृत्यु के बाद भी वेंटिलेटर पर रखने के परिजनों के आरोप को जिला प्रशासन द्वारा गंभीरता से लिया गया है। समाचार माध्यमों के माध्यम से प्राप्त जानकारी के अनुसार नवजात को कथित रूप से उसकी मृत्यु के बाद भी वेंटिलेटर पर रखा गया था। इस मामले को संज्ञान में लेते हुए उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी रांची मंजूनाथ भजंत्री ने विस्तृत जांच के आदेश दिए हैं। उनके आदेश पर एक जांच समिति का गठन किया गया है, जिसमें कार्यपालक दंडाधिकारी, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी तथा विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम शामिल है।

यह जांच समिति विभिन्न बिंदुओं पर जांच करेगी। उपायुक्त द्वारा स्पष्ट किया गया है कि यदि जांच के उपरांत अस्पताल प्रबंधन या संबंधित किसी भी व्यक्ति की लापरवाही या दोष सिद्ध होता है, तो उनके विरुद्ध नियमसंगत कठोर कार्रवाई की जाएगी।

अज्ञात वाहन की चपेट में आने से साइकिल सवार की मौत

खूंटी/तमाड़: गुरुवार देर शाम अड़की थाना क्षेत्र के लेम्बा टोली टर्निंग के पास एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ, जिसमें एक साइकिल सवार की मौत हो गई। घटना तब हुई जब खूंटी की ओर से आ रहा एक अज्ञात वाहन साइकिल चालक से टकरा गया। पीड़ित की पहचान लेम्बा टोली निवासी बाली मुंडा के रूप में हुई है। बाली मुंडा सिंदरी बाजार से सब्जी और राशन खरीदकर साइकिल से घर लौट रहा था। इसी दौरान लेम्बा टोली टर्निंग के पास एक अज्ञात वाहन ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में बाली मुंडा की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। वाहन चालक मौके से फरार हो गया। घटना की सूचना मिलते ही अड़की पुलिस मौके पर पहुंची और अज्ञात वाहन को ढूंढने का प्रयास किया, लेकिन वह बच निकला। पुलिस ने मृतक के शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। हादसे की जांच जारी है और अज्ञात वाहन चालक की तलाश की जा रही है। स्थानीय लोगों ने इस इलाके में बार-बार हो रहे सड़क हादसों पर चिंता जताई है और पुलिस से गति नियंत्रण व सख्त कार्रवाई की मांग की है

बारिश में ध्वस्त हुआ घर, बाल बाल बचे लोग

चतराः जिले के हंटरगंज प्रखण्ड क्षेत्र के कोबना गांव में बीते रात्रि लगातार मूसलाधार बारिश होने से एक वृद्ध का कच्चा मकान भरभरा कर गिर गया। गनीमत रही कि इस घटना में घर में रह रहे लोग बाल बाल बच गए। घर के मलबे में खाद्य पदार्थ,चारपाई सहित गृहस्थी भी दबकर खराब हो गई। कोबना गांव निवासी 60 वर्षीय सतेंद्र भुईयां उर्फ दूना भुईयां ने बताया कि अभी यह मेरे लिए आफत बन गई है। उन्होंने बताया की हम और मेरी पुत्र वधु सहित एक पोती तीनों एक घर के एक कमरे में बुधवार देर रात सोए थे। उसी समय घर आचनक ध्वस्त हो गया। भगवान का लाख लाख शुक्र रहा की हमलोग बच गए।हमलोगों के समक्ष भूखमरी की स्थिति उत्पन्न हो गई है।

मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय में बाल संसद का गठन, नितिन आनंद बने प्रधानमंत्री

संवाददाता

चतरा : जिला मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय चतरा में गुरुवार को प्रधानाध्यापक सतीश लाल गुप्ता की अध्यक्षता में बाल संसद के गठन के लिए छात्र छात्राओं की आमसभा हुई। बाल संसद के प्रभारी शिक्षक डॉ मनीष कुमार की देखरेख में लोकतांत्रिक तरीके से मतदान प्रक्रिया को अपनाते हुए बाल संसद का गठन किया गया। सर्वप्रथम सभी कक्षाओं के छात्र-छात्राएं अपने अपने कक्षाओं में मतदान देकर सांसदों का चुनाव किया। इसके बाद कुल चयनित 120 सांसदों के बीच बाल संसद के अध्यक्ष, प्रधानमंत्री सहित पूरे मंत्रिमंडल का चुनाव हुआ। जिसमें संसद के अध्यक्ष पद पर सौरभ राज 36 मत प्राप्त कर विजयी बने तथा उपाध्यक्ष पद पर अंजली अग्रवाल विजयी रही।प्रधानमंत्री पद के लिए हुए गुप्त मतदान में नितिन आनंद केसरी 54 मत प्राप्त कर अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी को 35 मतों से

पराजित किया। उप प्रधानमंत्री पद पर श्रृष्टि सुमन विजयी हुई। इसी प्रकार स्वास्थ्य मंत्री प्रियंका कुमारी व उप स्वास्थ्य मंत्री आदर्श कुमार, स्वच्छता मंत्री श्रेया कुमारी, उपस्वच्छता मंत्री यश पाण्डेय, सुरक्षा एवं न्याय मंत्री मोहम्मद कशफ रहमान व उपमंत्री अनन्या केशरी, पोषण मंत्री विनायक साह, उप पोषण मंत्री कृति कुमारी, उपस्थिति मंत्री नीरज कुमार एवं उप मंत्री कुमारी केशरी, शिक्षा मंत्री आदिती कुमारी, उप शिक्षा मंत्री निखिल कुमार, कौशल विकास मंत्री सहफूज अंसारी,कौशल विकास उप मंत्री दीपा शिखा, पर्यावरण मंत्री कार्तिक कुमार, उप पर्यावरण मंत्री प्रतीति कुमारी, खेल मंत्री रेहान एवं खेल उपमंत्री पूर्णिमा कुमारी, सांस्कृतिक मंत्री नैन्सी कुमारी, सूचना एवं प्रसारण मंत्री पुष्पक कुमार एवं उप सूचना मंत्री आर्या कुमारी, सेल मंत्री नैतिक कुमार एवं उप मंत्री श्रीतिका कुमारी निर्वाचित हुए। चुनाव के बाद बाल संसद के प्रभारी शिक्षक डॉ मनीष कुमार ने सभी सांसद व मंत्रियों को उनके कर्तव्यों के बारे में बताया। प्रधानाध्यापक ने सभी का शपथ ग्रहण कराया।

अखिल भारतीय भुइयां कल्याण समिति ने महिला मोर्चा का किया गठन

संवाददाता

चतरा : अखिल भारतीय भुइयां कल्याण समिति चतरा के जिलाध्यक्ष उमेश भारती की अध्यक्षता मे शहर के डोमसिटवा पकरिया, सबरी आश्रम में महिला मोर्चा की बैठक की गई।बैठक का संचालन जिला महासचिव जयराम भारती ने किया। बैठक में विशेषकर महिलाओं की मजबूती को लेकर अनेक बिंदुओं पर विस्तारपूर्वक चर्चा हुई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष उमेश भारती ने कहा कि समाज को किसी भी स्थिति मे मजबूत बनाना है।कहा कि समाज के लिए यदि जान भी देना पड़ेगा तो उमेश भारती पीछे हटने वालो मे नही है।उन्होंने आगे कहा की समाज की महिलाओं को शराब छोड़ने और संगठित रहने की जरूरत है।उन्होंने समाज की मजबूती के लिए महिलाओ को बढ़चढ़कर आगे आने की अपील करते हुए कहा कि अपने आप को कभी कमजोर मत समझना मैं आप

सभी को साथ लेकर चलने का पूरा भरोसा दिलाता हूं। चतरा जिला की पूरी टीम महिला मोर्चा के साथ है।जिलाध्यक्ष ममता कुमारी इटखोरी प्रखंड के शहरजाम गांव की है।वहीं जिला महासचिव मनोरमा दवी, चतरा सदर प्रखंड के खरीक गांव की है। इसके अलावा जिला उपाध्यक्ष सुनीता देवी,रंजनी कुमारी,मनवा देवी,चांदनी देवी, चिंता देवी ,सुनीता देवी,शिला देवी,रेखा देवी ,आरती देवी, संगीता कुमारी,शांति देवी,कारी देवी को महिला मोर्चा जिला कोर कमेटी की बड़ी जिम्मेवारी दी गई है। बैठक में सरजू राम,सुरेंद्र भुइयां,चतरा नगर अध्यक्ष मनोज भारती, नगर प्रभारी मुकेश भारती, ग्रामीण प्रखंड अध्यक्ष छात्र ग्रामीण प्रखंड अध्यक्ष सुशील भारती , कान्हाचट्टी प्रखंड अध्यक्ष अमर भारती,पथलगड़ा प्रखंड अध्यक्ष विनोद भुइयां,रमेश भुइयां,गोवर्धन भारती, कावेंद्र भारती, मन्नू भारती,देवेंद्र भारती, तपेश्वर भारती, अनिल भारती, पिंकू भारती, योगेंद्र भारती, मुरारी भारती, अशोक भारती, दयानंद भारती उपेंद्र भारती, पपन भारती एवं सैकड़ो महिलाएं उपस्थित थी।

राजेश शाह बने विनोबा भावे विवि के सीनेट सदस्य

चतराः राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने बिनोवा भावे विश्वविद्यालय के सीनेट सदस्य के रूप में सामाजिक कार्यकर्ता सह एवीबीपी के पूर्व प्रदेश मंत्री राजेश साह को मनोनीत किया है। इस नियुक्ति पर अभाविप के कार्यकताओं में खुशी की लहर है।राज्यपाल सचिवालय झारखंड रांची द्वारा अधिसूचना जारी कर पत्र जारी किया गया है, जिसमें राजेश साह को विनोबा भावे विश्वविद्यालय हजारीबाग के सीनेट सदस्य के रूप में मनोनीत किया गया है।सीनेट सदस्यों का कार्यकाल तीन वर्षों का होगा। राजेश साह अपने नए पद का उपयोग समाज और शिक्षा के क्षेत्र में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए करेंगे।

जेपीएससी में सफल रूपम सोनाली को किया गया सम्मानित

संवाददाता

खूंटीः झारखंड लोक सेवा आयोग (11वीं-13वीं संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा) में सफलता प्राप्त कर खूंटी जिले का नाम रोशन करने वाली होनहार प्रतिभा रूपम सोनाली को मुरहू स्थित श्योर सक्सेस कोचिंग सेंटर में आयोजित एक प्रेरणादायक समारोह में भव्य रूप से सम्मानित किया गया। जहां सैकड़ों विद्यार्थियों, शिक्षकों और अभिभावकों की उपस्थिति ने यह संदेश दिया कि शिक्षा अब केवल शहरों तक सीमित नहीं रही, बल्कि ग्रामीण भारत की प्रतिभाएं भी ऊंची उड़ान भरने को तैयार हैं। कोचिंग सेंटर के निदेशक सकलदीप भगत ने कहा कि संस्थान केवल परीक्षा की तैयारी ही नहीं कराता, बल्कि युवाओं के भीतर आत्मविश्वास, दिशा

और जनसेवा का भाव जगाने का कार्य करता है, और रूपम की सफलता इस बात का प्रमाण है कि यदि सही मार्गदर्शन, अनुशासन और सपनों में आस्था हो, तो सीमित संसाधन भी सफलता की राह में बाधा नहीं बनते। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के रांची विभाग संयोजक प्रकाश टुटी ने इसे ग्रामीण शिक्षा, छात्र शक्ति और नारी सशक्तिकरण का अद्भुत संगम बताते हुए कहा कि यह उपलब्धि उन तमाम युवाओं के लिए आशा की किरण है जो छोटी जगहों से निकलकर देश के प्रशासनिक ढांचे का हिस्सा बनना चाहते हैं। दानी पब्लिक स्कूल, खूंटी के निदेशक मनीष तिवारी ने रूपम की उपलब्धि को उस सामूहिक प्रयास का नतीजा बताया, जिसमें शिक्षक, परिवार और संस्था सब एकसाथ मिलकर विद्यार्थी को आगे बढ़ाते हैं, और इस दिशा में समाज को और सक्रिय भूमिका निभाने की आवश्यकता है। रूपम की बड़ी बहन रूपाली, जो उनकी अभिभावक भी हैं, ने भावुक होकर कहा कि रूपम ने बचपन से ही पढ़ाई को प्राथमिकता दी और विपरीत परिस्थितियों में भी हार नहीं मानी, और इस सफलता के पीछे उसकी सतत मेहनत, समर्पण और मार्गदर्शकों की भूमिका अहम रही। समारोह में जब रूपम सोनाली मंच पर आईं तो उन्होंने कहा कि सफलता की राह कभी आसान नहीं होती, लेकिन सच्ची लगन, समय प्रबंधन और मानसिक दृढ़ता से हर लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है, और यह सम्मान वे केवल अपनी नहीं, बल्कि खूंटी जिले की हर उस बेटी की उपलब्धि मानती हैं जो अपने सपनों के लिए संघर्ष कर रही है। विद्यार्थियों द्वारा पूछे गए सवालों का रूपम ने खुले दिल से उत्तर देकर सबको मार्गदर्शन प्रदान किया।

उत्तर पश्चिम रेलवे

खुली ई-निविदा सूचना

मुख्य परियोजना प्रबन्धक गति-शक्ति उत्तर पश्चिम रेलवे जयपुर के द्वारा भारत संघ के राष्ट्रपति एवम् उनकी ओर से ई-निविदा के माध्यम से प्रचलित नियमों के अनुसार निर्धारित प्रपत्रों में निविदा निम्न कार्यों के लिए क्रमानुसार आमंत्रित की जाती है। **निविदा संख्या / कार्य का नाम:** गति-शक्ति/इंजी./जेपी/2025-26/09 उप मुख्य अभियंता (जी.एस.यु.) जयपुर-जयपुर मण्डल के विभिन्न स्टेशनों पर प्लेटफार्म को उठाना/विस्तार करना, प्लेटफार्म शैल्टर और अन्य सहायक सिविल इंजीनियरिंग के साथ एफ.ओ.बी. प्रदान करने का कार्य, **अनुमानित लागत रुपये:** 635689969.74, **बयाना राशि रुपये:** 3328500/-. 1 उपरोक्त निविदाओं का पूर्ण विवरण वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। नोटिस बोर्ड - मुख्य परियोजना प्रबन्धक गति-शक्ति उत्तर पश्चिम रेलवे, जयपुर के कार्यालय में देखी जा सकती है। 2 निविदा स. गति-शक्ति/इंजी./जेपी/2025-26/09 की बन्द होने की तिथि 25.08.2025 समय 15.30 बजे एवं खुलने की तिथि 25.08.2025 समय 16.00 बजे।

940-PS/25

NWRailways NWRailways_ पर फॉलो करें

कृषि उद्यम मेला 2025 का उद्घाटन आज

कृषि नवाचार, ग्रामीण उद्यमिता और जन-जागरूकता का होगा अद्भुत संगम

संवाददाता

चतराः जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम, चतरा में कृषि उद्यम मेला 2025 का आज भव्य उद्घाटन हुआ। आयोजन 01 अगस्त से 02 अगस्त तक चलेगा। यह आयोजन न केवल कृषि के क्षेत्र में नवाचार को बढ़ावा देगा, बल्कि ग्रामीण उद्यमिता, आत्मनिर्भरता और सरकारी योजनाओं की पहुँच को जमीनी स्तर तक मजबूत करने का एक ऐतिहासिक अवसर सिद्ध होगा।इस दो दिवसीय मेले में आधुनिक कृषि तकनीकों की प्रदर्शनी, एसएच जीएस, एफपीओएस एवं किसानों के उत्पादों का विपणन, रिलाइंस, अमूल, मेघा समेत 30 से अधिक राष्ट्रीय खरीदारों की उपस्थिति, पॉलीहाउस, हाइड्रोपोनिक्स, बायोफ्लॉक आदि मॉडलों का जीवंत प्रदर्शन तथा प्रशिक्षण, संवाद एवं विशेषज्ञ मार्गदर्शन सत्रों का आयोजन सुनिश्चित किया गया है।

विशेष आकर्षणः आमजन को मादक पदार्थों के दुष्प्रभाव एवं सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रति जागरूक करने हेतु नुक्कड़ नाटक की प्रस्तुतियाँ भी आयोजन स्थल पर दी जाएंगी, जो मेले के सामाजिक सरोकार को और अधिक सशक्त बनाएंगी। मेले में विभिन्न विभागों, कृषक समूहों एवं आम नागरिकों की सहभागिता सुनिश्चित की गई है। उपायुक्त कृतिश्री जी ने बताया कि

कृषि उद्यम मेला 2025 न केवल एक कार्यक्रम है, बल्कि यह आत्मनिर्भर चतरा एवं समृद्ध झारखंड की दिशा में एक ठोस कदम है जउन्होंने सभी नागरिकों, कृषकों, युवाओं एवं मीडिया प्रतिनिधियों से आग्रह किया है कि वे इस मेले में सक्रिय सहभागिता देकर इसे सफल बनाएं और नवाचार की इस ऐतिहासिक पहल का हिस्सा बनें।

झारखण्ड सरकार
जिला मत्स्य कार्यालय, खूँटी

महाझींगा पालन योजना हेतु आवेदन आमंत्रण सूचना

झारखण्ड सरकार, कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग (मत्स्य प्रभाग) के राज्यादेश संख्या-10रा(वि0), दिनांक-04.07.2025(मत्स्य प्रसार, अनुसंधान एवं प्रशिक्षण योजना, वित्तीय वर्ष 2025-26) योजनान्तर्गत समेकित मत्स्य पालन योजना के तहत् मत्स्य पालकों को मत्स्य पालन की ओर उन्मुख करने तथा उनकी आय में बढ़ोत्तरी हेतु निजी तालाब लाभुकों को महाझींगा पालन योजना का लाभ दिया जाना है। इस योजना अंतर्गत खूँटी जिला को निम्नलिखित सारणी अनुसार लक्ष्य प्राप्त है:-

क्र0	योजना का नाम	लक्ष्य ST/OTH/Wom	इकाई लागत	अनुदान की विवरणी
1	2	3	4	5
1	महाझींगा पालन	02	160000/- रु0 प्रति 0.4 हेक्टेयर (1.00 एकड़) जलक्षेत्र पर।	ST/SC/Wom कोटि के लाभुकों के लिए राज्य सरकार का अनुदान 80 % अर्थात् 128000/- रुपये मात्र प्रति 0.4 हेक्टेयर (1.00 एकड़) जलक्षेत्र होगा तथा 20 % राशि अंशदान के रूप में लाभुक को स्वयं वहन करना होगा। अन्य कोटि के सभी लाभुकों को राज्य सरकार का अनुदान 70 % अर्थात् अधिकतम 112000/- रुपये मात्र प्रति 0.4 हेक्टेयर (1.00 एकड़) जलक्षेत्र होगा तथा 30 % राशि अंशदान के रूप में लाभुक को स्वयं वहन करना होगा। सरकारी अनुदान की राशि डी0बी0टी0 के माध्यम से लाभुक के बैंक खाता में उपलब्ध कराया जाएगा।

नियम व शर्तें निम्नलिखित है:-
1. आवेदक का अपना 1.00 एकड़ जलक्षेत्र का तालाब होना चाहिए।
2. आवेदक 5 दिवसीय मत्स्य पालन का प्रशिक्षण विभागीय प्रशिक्षण केन्द्र से प्राप्त कर चुका हो। यदि प्रशिक्षित नहीं है एवं आवेदन योग्य पाये जाने पर चयनित हो जाता है तो प्रशिक्षण के उपरान्त ही योजना का लाभ दिया जाएगा।

आवेदन प्रपत्र जिला मत्स्य कार्यालय, खूँटी में निःशुल्क उपलब्ध है। आवेदक स्वयं ग्राम पंचायत से अपने तालाब के निजी होने तथा जलक्षेत्र (एकड़ में) कितना है का अनुशंसा प्राप्त करते हुए **दिनांक 20.08.2025** तक कार्यालय अवधि में जिला मत्स्य कार्यालय, खूँटी में ऑफलाईन (Offline) आवेदन जमा करेंगे। साथ ही आवेदकों को Blockchain Platform में ऑनलाईन निबंधन कराना होगा। लाभुकों का चयन जिला स्तरीय सुरक्षित जमा निर्धारण समिति के माध्यम से किया जाएगा।

योजना की विस्तृत जानकारी जिला मत्स्य कार्यालय, खूँटी से प्राप्त की जा सकती है।

जिला मत्स्य पदाधिकारी
खूँटी

PR 358642 Fish(25-26).D

मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

सांध्य दैनिक

रांची, शुक्रवार, 1 अगस्त 2025

संवत 2082, श्रावण शुक्ल 8 संवत मूल्य 2 रुपये

वर्ष-8, अंक 328 , पृष्ट-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 ▶▶ आरएसएस, मुसलमान और राष्ट्रीय एकता

धोनी नंबर वन, रोहित को दूसरा स्थान रायुडू ने भारतीय कप्तानों को दी रैंकिंग ◀◀ 6

उपराष्ट्रपति चुनाव 9 सितंबर को निर्वाचन आयोग ने की घोषणा

नामांकन की अंतिम तिथि 21 अगस्त

नई दिल्लीः उपराष्ट्रपति चुनाव की घोषणा कर दी गई है। 9 सितंबर को चुनाव होंगे। 21 अगस्त तक नामांकन की अंतिम तारीख है। चुनाव आयोग ने बताया कि उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए अधिसूचना सात अगस्त को जारी होगी। नामांकन पत्र दाखिल करने की अंतिम तिथि 21 अगस्त है।

आयोग ने कहा कि उपराष्ट्रपति चुनाव का परिणाम मतदान के दिन नौ सितंबर को ही घोषित कर दिया जाएगा। उपराष्ट्रपति पद 22 जुलाई को निवर्तमान उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ द्वारा त्यागपत्र देने के कारण रिक्त हो गया था।

25 अगस्त तक नाम वापस लिया जा सकेगाः आयोग के अनुसार, 7 अगस्त को उपराष्ट्रपति पद के चुनाव की अधिसूचना जारी होगी। नामांकन की अंतिम तिथि 21 अगस्त है। 22 अगस्त को नामांकन पत्रों की जांच होगी और 25 अगस्त तक नाम वापस लिए जा सकेंगे।

9 सितंबर को सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक मतदानः उपराष्ट्रपति पद के लिए मतदान 9 सितंबर को सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक होगा। उसी दिन वोटों की गिनती भी की जाएगी और शाम तक नतीजा आ जाएगा। जगदीप धनखड़ ने 21 जुलाई की शाम अचानक इस्तीफा दे दिया था। उन्होंने एक्स अकाउंट पर इस्तीफे का पत्र साझा किया और इससे पहले राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को व्यक्तिगत रूप से इस्तीफा सौंपा।

> आयोग ने कहा कि उपराष्ट्रपति चुनाव का परिणाम मतदान के दिन नौ सितंबर को ही घोषित कर दिया जाएगा। उपराष्ट्रपति पद 22 जुलाई को निवर्तमान उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ द्वारा त्यागपत्र देने के कारण रिक्त हो गया था।

झारखंड विधानसभा का मानसून सत्र आज से शुरु

पहले दिन दिवंगतों को दी गई श्रद्धांजलि, 4 अगस्त को पेश होगा अनुपूरक बजट

संवाददाता

रांचीः झारखंड विधानसभा का मानसून सत्र एक अगस्त से सात अगस्त तक आयोजित होगा। सत्र के पहले दिन शुक्रवार को दिवंगतों की आत्मा की शांति और परिजनों को शोक सहन करने की क्षमता के लिए सदन में मौन रखा गया। इसके बाद सभा की कार्यवाही सोमवार 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गयी।

सत्र के पहले दिन स्पीकर रबींद्रनाथ महतो ने सदन को संबोधित किया। सदन को संबोधित करते हुए स्पीकर ने बताया कि सत्र 1 से 7 अगस्त तक आहूत है, जिसमें कुल पांच कार्य दिवस होंगे। 4 अगस्त को वित्तीय वर्ष 2025-26 का पहला अनुपूरक बजट पेश किया जायेगा।

शिबू सोरेन के जल्द स्वस्थ्य होने की कामनाः स्पीकर ने दिशोम गुरु शिबू सोरेन के बीते करीब एक माह से अस्वस्थ्य होने का जिक्र किया। साथ ही उनके जल्द स्वस्थ्य होने की कामना की। उन्होंने कहा कि शिबू सोरेन का इस राज्य के प्रति भूमिका और योगदान किसी से छुपा हुआ नहीं है। मानसून सत्र के पहले दिवंगत हुई कई प्रतिष्ठित हस्तियों और आम नागरिकों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए शोक प्रस्ताव पारित किया गया। इसके साथ ही सभा की कार्रवाई 4 अगस्त, सोमवार अपराह्न 11 बजे तक के लिए स्थगित की गयी।

अमेरिका के टैरिफ पर भारत का कड़ा जवाब

एफ- 35 फाइटर जेट डील ठंडे बस्ते में डाला

नई दिल्ली : भारत और अमेरिका के बीच व्यापार और रणनीतिक संबंधों में बड़ा तनाव देखने को मिल रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत पर 25 प्रतिशत का भारी-भरकम टैरिफ लगाने की घोषणा के बाद, भारत ने भी जवाबी संकेत देते हुए अरबों डॉलर के एफ- 35 फाइटर जेट सौदे को ठंडे बस्ते में डाल दिया है।

राष्ट्रपति ट्रंप ने टैरिफ की घोषणा करते हुए कहा कि भारत ने अब तक अमेरिका के साथ बहुत कम व्यापार किया है और इसके लिए उन्होंने भारत के ऊंचे आयात शुल्क को जिम्मेदार ठहराया। इस एकतरफा कार्रवाई के बाद दोनों देशों के रिश्तों में तल्खी आ गई है।

ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत ने जवाबी कार्रवाई करते हुए अमेरिका को सूचित किया है कि अब उसकी एफ- 35 स्टील्थ फाइटर जेट खरीदने में कोई रुचि नहीं है। विडंबना यह है कि इस लड़ाकू विमान का प्रस्ताव खुद राष्ट्रपति ट्रंप ने इसी साल फरवरी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अमेरिका यात्रा के दौरान दिया था।

सूत्रों के मुताबिक, भारत का यह कदम उसकी बदलती रक्षा नीति को भी दशार्ता है। मोदी सरकार अब रक्षा सौदों में मेक इन इंडिया पहल को प्राथमिकता दे रही है। भारत अब ऐसे रक्षा मॉडल पर जोर दे रहा है जिसमें संयुक्त उत्पादन और प्रौद्योगिकी का हस्तांतरण शामिल हो, ताकि देश में ही रक्षा उपकरणों का डिजाइन और निर्माण हो सके।

हालांकि, रक्षा सौदे पर कड़ा रुख अपनाने के बावजूद भारत सरकार व्यापार के मोर्चे पर टकराव को और बढ़ाना नहीं चाहती। रिपोर्ट के अनुसार, भारत फिलहाल ट्रंप की घोषणा पर कोई तात्कालिक जवाबी टैरिफ नहीं लगाएगा। इसके बजाय, व्हाइट हाउस को शांत करने के लिए वैकल्पिक उपायों पर विचार किया जा रहा है। भारत आने वाले 3-4 वर्षों में अमेरिका से प्राकृतिक गैस, संचार उपकरण और सोने का आयात बढ़ाकर व्यापार असंतुलन को कम करने जैसे विकल्पों पर काम कर सकता है।

इससे पहले ट्रंप भारत-रूस संबंधों पर भी तल्ख टिप्पणी कर चुके हैं। उन्होंने कहा था, मुझे फर्क नहीं पड़ता कि भारत रूस के साथ क्या करता है। वे अपनी मरी हुई अर्थव्यवस्थाओं को साथ ले जाएं, मुझे कोई परवाह नहीं। फिलहाल, भारत की प्राथमिकता व्यापार वार्ता को पटरी पर बनाए रखना है, लेकिन रक्षा खरीद को चर्चा से बाहर रखा गया है।

धनबाद पहुंची राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, आईआईटी- आईएसएम के दीक्षांत समारोह में छात्रों को करेंगी सम्मानित

संवाददाता

धनबादः राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू आज हेलिकॉप्टर से धनबाद पहुंची । तीन हेलीकॉप्टरों का काफिला बरवाअड्डा एयरपोर्ट पर उतरा। मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू, सचिव अमिताभ कौशल, आईजी अखिलेश कुमार झा, आईजी क्रांति कुमार गढ़ीदेशी, आयुक्त पवन कुमार, उपायुक्त आदित्य रंजन, वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार ने पुष्पगुच्छ देकर महामहिम राष्ट्रपति व राज्यपाल का स्वागत किया।

आइआइटी-आइएसएम पहुंचीं राष्ट्रपतिः एयरपोर्ट से राष्ट्रपति सड़क मार्ग से आइआइटी-आइएसएम पहुंचीं। यहां स्मृति चिन्ह और पुष्पगुच्छ देकर उनका स्वागत किया गया। राष्ट्रपति के धनबाद आगमन को लेकर सिटी सेंटर पूरी तरह छावनी में तब्दील हो गया है। सुरक्षा-व्यवस्था के मद्देनजर धनबाद पुलिस ने पूरे इलाके में सख्त बंदोबस्त किए हैं। 1 आईएएस, 1 डीएसपी, एक इंस्पेक्टर और आधा दर्जन से अधिक सब-इंस्पेक्टर समेत सैकड़ों की संख्या में जवान तैनात किए गए हैं। सुरक्षा की कमान बोकारो एसपी आईपीएस शंभु कुमार सिंह के नेतृत्व में डीएसपी अरुण तुर्की संभाल रहे हैं।

सुरक्षा में तैनात पुलिसकर्मीः आयकर भवन और मिश्रित भवन का मुख्य गेट पूरी तरह बंद कर दिया गया है, ताकि अनाधिकृत लोगों की आवाजाही पर रोक लगायी जा सके। रणधीर वर्मा चौक से सिटी सेंटर की ओर जाने वाली सड़क को पूरी तरह सील कर दिया गया है। आम नागरिकों और वाहनों की आवाजाही पर रोक लगा दी गयी है। बैरिकेडिंग कर पुलिस हर गली और मोड़ पर मुस्तैद है। सिटी सेंटर के सभी दुकान भी बंद हैं।

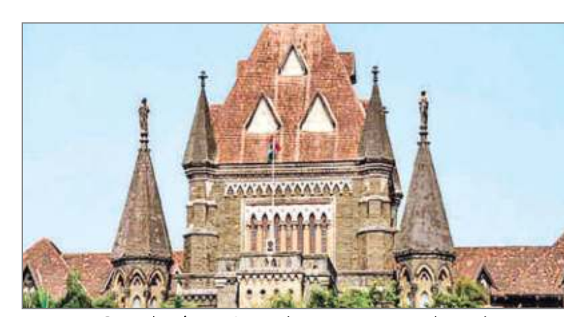

पत्नी को है पति को नपुंसक बोलने का अधिकार, बॉम्बे हाईकोर्ट की बड़ी टिप्पणी

मुंबई : बॉम्बे हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसले में स्पष्ट किया है कि अगर कोई पत्नी वैवाहिक विवाद के दौरान अपने आरोपों को साबित करने के लिए पति को नपुंसक कहती है, तो इसे मानहानि का अपराध नहीं माना जाएगा। अदालत ने कहा कि पत्नी को यह अधिकार कानून के तहत मिला है और यह भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 499 (मानहानि) के नौवें अपवाद के अंतर्गत संरक्षित है। न्यायमूर्ति एसएम मोडक की पीठ ने यह फैसला एक पति द्वारा अपनी पत्नी के खिलाफ दायर मानहानि की शिकायत को खारिज करते हुए सुनाया। यह मामला एक पति-पत्नी के बीच चल रहे तलाक और भरण-पोषण के विवाद से जुड़ा है। पति ने अपनी पत्नी, ससुर और साले के खिलाफ मानहानि की शिकायत दर्ज कराई थी। उसका आरोप था कि पत्नी ने तलाक, भरण-पोषण की याचिका और एक एफआईआर में उसकी यौन अक्षमता (नपुंसकता) को लेकर झूठे और अपमानजनक आरोप लगाए, जिससे उसकी प्रतिष्ठा को ठेस पहुंची। अप्रैल 2023 में, मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट ने पति की शिकायत यह कहते हुए खारिज कर दी थी कि ये आरोप वैवाहिक प्रक्रिया का हिस्सा हैं। लेकिन बाद में, अप्रैल 2024 में सत्र न्यायालय ने इस फैसले को पलट दिया और मामले में आगे की जांच का आदेश दिया। सत्र न्यायालय के इसी फैसले के खिलाफ पत्नी ने बॉम्बे हाईकोर्ट में याचिका दायर की। पत्नी की ओर से दलील दी गई कि ये आरोप न्यायिक कार्यवाही में लगाए गए थे और मानसिक उत्पीड़न व उपेक्षा को साबित करने के लिए प्रासंगिक थे, इसलिए यह कानून के तहत संरक्षित हैं। हाईकोर्ट ने पत्नी की दलीलों को स्वीकार करते हुए सत्र न्यायालय के आदेश को रद्द कर दिया और मजिस्ट्रेट के फैसले को बहाल रखा। न्यायमूर्ति मोडक ने कहा, जब कोई मुकदमा पति-पत्नी के बीच वैवाहिक विवाद से संबंधित होता है, तो पत्नी को अपने पक्ष में ऐसे आरोप लगाने का अधिकार है। अदालत ने यह भी कहा कि हिंदू विवाह अधिनियम के तहत जब कोई पत्नी मानसिक उत्पीड़न साबित करना चाहती है, तब नपुंसकता जैसे आरोप प्रासंगिक और आवश्यक माने जाते हैं।

श्रीनगर बीएसएफ कैंप से लापता हुआ जवान सुरक्षाबलों में हड़कंप, सर्च ऑपरेशन जारी

श्रीनगर जम्मू-कश्मीर की राजधानी श्रीनगर से एक बड़ी खबर सामने आई है, जहां पंथाचौक स्थित कैंप से सीमा सुरक्षा बल का एक जवान रहस्यमय परिस्थितियों में लापता हो गया है। इस घटना के बाद से सुरक्षाबलों और स्थानीय प्रशासन में हड़कंप मच गया है। जवान का कोई सुराग न मिलने पर स्थानीय पुलिस थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। जानकारी के अनुसार, इरऋकी 60वीं बटालियन में तैनात जवान सुगम चौधरी 31 जुलाई 2025 की देर रात को अपने बटालियन मुख्यालय, पंथाचौक से अचानक गायब हो गए। जैसे ही जवान के लापता होने की खबर मिली, बीएसएफ ने तुरंत आसपास के इलाकों में एक बड़ा तलाशी अभियान शुरू किया, लेकिन अब तक उनका कोई सुराग नहीं मिल पाया है। इस घटना के बाद इरऋयूनिट ने पंथाचौक पुलिस स्टेशन में जवान की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज करा दी है। पुलिस और बीएसएफ अब संयुक्त रूप से मामले की जांच कर रहे हैं और जवान का पता लगाने के लिए हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं।

एसआईआरः चुनाव आयोग वोटों की चोरी में शामिल, हमारे पास एटम बम, किसी को नहीं छोड़ेंगे, चुनाव आयोग पर भड़के राहुल गांधी

नई दिल्ली : कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने आरोप लगाया है कि चुनाव आयोग वोटों की चोरी में शामिल है और हमारे पास इसके सबूत भी हैं। संसद परिसर में मीडिया से बात करते हुए राहुल गांधी ने बिहार में मतदाता सूची पुनरीक्षण के मामले में ये बात कही।

राहुल गांधी बोले- हमारे पास एटम बम : राहुल गांधी ने कहा कि 'हमारे पास इस बात के स्पष्ट सबूत हैं कि चुनाव आयोग वोट चोरी में शामिल है। जल्द ही पूरे देश को इसके बारे में पता चल जाएगा कि चुनाव आयोग वोट चोरी करा रहा है। हमें मध्य प्रदेश, लोकसभा चुनाव में हमें शक था और महाराष्ट्र में वो थोड़ा आगे गया। एक करोड़ मतदाता जोड़े गए थे। इसके बाद हमने अपनी ही जांच की और उस जांच में जो मिला है, वो एटम बम है।'

राहुल गांधी ने कहा कि 'मैं पूरी गंभीरता से बोल रहा हूं कि ऊपर से नीचे तक जो भी इस काम में शामिल है, हम आपको नहीं छोड़ेंगे। आप भारत के खिलाफ काम कर रहे हैं और यह देशद्रोह से कम नहीं है। आप कहीं भी हों, भले ही आप सेवानिवृत्त हों, हम आपको ढूंढ निकालेंगे।'

बिहार एसआईआर को लेकर संसद में भी हंगामाः बिहार में मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण के काम का विपक्ष द्वारा कड़ा विरोध किया जा रहा है। इस मुद्दे पर संसद में भी काफी हंगामा जारी है। विपक्ष इस मुद्दे पर चर्चा की मांग कर रहा है। विपक्ष इस प्रक्रिया को वोटों की चोरी बताकर खारिज कर रहा है। वहीं चुनाव आयोग इसे अवैध मतदाताओं को वोटर लिस्ट से हटाने की कवायद बता रहा है। फिलहाल इस मामले पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई चल रही है।

सूक्ति

मनुष्य को चाहिए कि वह परिस्थितियों से लड़े, एक स्वप्न टूटे तो दूसरा गढ़ेः
अटल बिहारी वाजपेय

ट्रंप का झटका

दोस्त दोस्त ना रहा। ट्रंप ने आखिर, अपना रंग दिखा ही दिया। इसे भारत को बहुत पहले समझ जाना चाहिए था लेकिन अफसोस हम आज भी ट्रंप से उम्मीदें लगाए हुए हैं जबकि ट्रंप ने शीराजा ही हिला दिया है। कहां तो हम अपने अनुकूल व्यापार समझौते की उम्मीद लगाए बैठे थे पर दोनों देशों के बीच जारी बातचीत में कुछ गतिरोध के बहाने ट्रंप ने भारत पर एक अगस्त से 25 प्रतिशत शुल्क लगाने की घोषणा की है। रूस से सैन्य उपकरण और कच्चा तेल खरीदने के लिए अतिरिक्त जुमार्ना लगाने का भी फैसला किया है। ट्रंप ने यह आश्चर्यजनक घोषणा ऐसे समय की है जब एक दिन पहले ही भारतीय अधिकारियों ने कहा था कि एक अमेरिकी व्यापार दल व्यापार समझौते पर बातचीत करने के लिए 25 अगस्त से भारत का दौरा करेगा। ट्रंप की इस हरकत को भारत पर अमेरिका की मांगों को मानने के लिए दबाव बनाने की रणनीति के रूप में देखा जा सकता है। जिसने हाल में जापान, ब्रिटेन और यूरोपीय संघ (ईयू) जैसे प्रमुख साझेदारों के साथ अनुकूल व्यापार समझौते किए हैं। लगता है कि ,ऑपरेशन सिंदूर' पर संसद में चर्चा के दौरान भारत सरकार का यह कहना कि किसी देश ने भारत को युद्धविराम के लिए नहीं कहा थाङ्क ट्रंप को अखर गया है। ट्रंप तो अब तक 30 बार कह चुके हैं कि युद्धविराम उन्होंने ही कराया था। लगता है कि ट्रंप भारत को परेशान करने पर उतर आए हैं। उन्होंने सोशल मीड़िया पर एक पोस्ट में भारत की व्यापार नीतियों को अप्रिय करार दे ड़ाला है। ट्रंप ने कहा,सब कुछ ठीक नहीं है! इसलिए भारत को एक अगस्त से 25 प्रतिशत शुल्क और रूस से खरीद को लेकर जुर्माना भी देना होगा। चीन के बाद रूसी तेल का सबसे बड़ा खरीदार भारत है। इन अपमानकारी हरकतों के बाद ट्रंप ने भारत को भ्रमित करने की कोशिश की और सोशल मीड़िया पोस्ट में भारत को अपना मित्र' बताया। ट्रंप की घोषणा पर भारत ने कोई प्रतिक्रिया नहीं जताई है। दरअसल, भारत दुविधा में है क्योंकि यह स्पष्ट नहीं है कि 25 प्रतिशत का शुल्क मौजूदा 10 प्रतिशत के मूल शुल्क के अतिरिक्त होगा या नहीं। ट्रंप भरोसे के काबिल नहीं रह गए हैं। याद रखें कि ब्रिक्स बैठक में पारित इस्राइल विरोधी प्रस्ताव के बाद वह पहले ही भारत सहित सभी ब्रिक्स देशों पर 10 प्रतिशत शुल्क लगा चुके हैं। अभी तो रूस से तेल व सैन्य सामग्री की खरीद पर लगने वाला शुल्क कितना होगा यह भी साफ नहीं है।

जानलेवा ब्रेक

सड़क दुर्घटनाओं को लेकर सुप्रीम कोर्ट का एक महत्वपूर्ण फैसला आया है जिसमें हाई वे पर यदि कोई कार चालक अचानक ब्रेक लगाता है तो उसे सड़क दुर्घटना की स्थिति में लापरवाही माना जाएगा। पीठ ने कहा कि राजमार्ग पर चालक द्वारा अचानक वाहन रोकना उचित नहीं ठहराया जा सकता। अदालत ने माना कि हाई वे पर वाहनों की तेज गति अपेक्षित है लेकिन यदि कोई चालक एकाएक वाहन रोकता है तो उसकी जिम्मेदारी है कि पीछे से आ रहे वाहनों को चेतावनी या संकेत दे। यह फैसला जनवरी 2017 को कोयंबटूर में इंजीनियरिंग छात्र की दुर्घटना पर आया जिसमें उसका पांव काटना पड़ा था। उसकी मोटरसाइकिल अप्रत्याशित रुकी कार से जा टकराई थी जिससे वह सड़क पर गिरा और पीछे से आ रही बस ने उसका पांव कुचल दिया। कार चालक की दलील है कि उसकी गर्भवती पत्नी को मितली आ रही थी। इसलिए अचानक ब्रेक लगाना पड़ा। अदालत ने राजमार्ग के बीच अचानक कार रोकने पर इस सफाई उचित नहीं माना। कार चालक की 50 प्रतिशत अपीलकर्ता की 20 प्रतिशत व बस चालक की 30 प्रतिशत लापरवाही मानी। अपीलकर्ता के आगे चल रहे वाहन से उचित दूरी न रखने व बगैर लाइसेंस मोटरसाइकिल चलाने को लापरवाही माना। मुआवजे की राशि 1.14 करोड़ पये आंकने के बावजूद अदालत ने इस लापरवाही के चलते 20 प्रतिशत की कटौती भी की। भारत की सड़कों पर हर तीन मिनट में एक मौत दर्ज की जाती है। तमाम नियमों के बावजूद इसके लिए तेज गति से वाहन चलाना मुख्य जिम्मेदार बताया जा रहा है। सिर्फ सड़कें ही असुरक्षित नहीं हैं बल्कि मानवीय बर्ताव व व्यवस्थागत लापरवाही भी सामने आती हैं। दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा सड़क नेटवर्क होने व पैंतीस करोड़. पंजीकृत वाहनों वाली व्यवस्था को सबसे बड़ी आबादी के दरम्यान संभालना कड़क्षी चुनौती है। अमेरिका/यूरोप की तर्ज पर हाई वे की नकल तो की जा रही है, मगर यहां वाहन चालकों को नियमों व माहौल के लिए तैयार नहीं किया जाता। हालांकि कई बार गड्ढों,जानवरों या पैदल आने वालों के कारण भी ब्रेक लगाना पड़ता है। सड़क निर्माण संबंधी खामियां, अनावश्यक व अनुचित अवरोधक, मानदंड़ों का उचित पालन न करने व इंजीनियरिंग संबंधी कोताही भी सड़क दुर्घटनाओं के बड़े. कारण हैं।

आरएसएस, मुसलमान और राष्ट्रीय एकता

आरएसएस ने विभिन्न समुदायों, विशेषकर मुस्लिम समुदाय के लोगों से सीधे संवाद करने के कई नए प्रयास शुरू किए हैं। ये प्रयास संवाद, समझ और आपसी सम्मान पर आधारित हैं। सितंबर 2019 में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया, जब आरएसएस प्रमुख डॉ. मोहन भागवत ने एक प्रतिष्ठित मुस्लिम विद्वान मौलाना अरशद मदनी से भेंट की। उन्होंने इस बारे में बात की कि कैसे दोनों समुदायों - हिंदू और मुस्लिम - को भारत को एकजुट और शांतिपूर्ण बनाए रखने के लिए मिलकर काम करना चाहिए।

जसीम मोहम्मद

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) भारत के सबसे पुराना और सबसे बड़ा सामाजिक सांस्कृतिक संगठनों में से एक है। संघ की स्थापना 1925 में एक मजबूत और अखंड भारत के निर्माण के लक्ष्य के साथ हुई थी। शुरू से ही, आरएसएस का मानना रहा है कि भारत एक देश है और यहाँ रहने वाले सभी लोग–चाहे वे किसी भी धर्म को मानते हों–एक परिवार का हिस्सा हैं। आरएसएस अपने सदस्यों को देश से प्रेम करना, दूसरों की मदद करना और एकता के लिए काम करना सिखाता है। इसके लाखों स्वयंसेवक (जिन्हें स्वयंसेवक कहा जाता है) हैं जो रोज सुबह जल्दी उठते हैं, दैनिक प्रशिक्षण सत्रों (शाखाओं) में भाग लेते हैं और समाज की सेवा करते हैं। इन स्वयंसेवकों को अनुशासन, शारीरिक स्वास्थ्य, देशभक्ति और सामाजिक ज़िम्मेदारी सिखाई जाती है। कुछ लोग सोचते हैं कि आरएसएस केवल हिंदुओं के लिए काम करता है, लेकिन यह सच नहीं है। आरएसएस भारतीयता में विश्वास करता है, जिसका अर्थ है भारतीय संस्कृति। आरएसएस के अनुसार, भारतीय संस्कृति में सभी धर्मों के लोग शामिल हैं- हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई, जैन, बौद्ध, और अन्य। भारत से प्रेम करने वाला हर व्यक्ति इस संस्कृति का हिस्सा है। वर्षों से, कई लोगों ने गलत सूचनाओं या राजनीतिक कारणों से आरएसएस को गलत समझा है। आरएसएस ने विभिन्न समुदायों, विशेषकर मुस्लिम समुदाय के लोगों से सीधे संवाद करने के कई नए प्रयास शुरू किए हैं। ये प्रयास संवाद, समझ और आपसी सम्मान पर आधारित हैं। सितंबर 2019 में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया, जब आरएसएस प्रमुख डॉ. मोहन भागवत ने एक प्रतिष्ठित मुस्लिम विद्वान मौलाना अरशद मदनी से भेंट की। उन्होंने इस बारे में बात की कि कैसे दोनों समुदायों - हिंदू और मुस्लिम - को भारत को एकजुट और शांतिपूर्ण बनाए रखने के लिए मिलकर काम करना चाहिए। वे इस बात पर सहमत हुए कि दोनों समुदायों ने देश के लिए योगदान दिया है, और अब उन्हें इसके भविष्य की रक्षा के लिए एक साथ आना चाहिए। यह बैठक ऐतिहासिक थी क्योंकि इसने दिखाया कि आरएसएस खुलकर बात करने, गलतफहमियों को दूर करने और विश्वास बनाने के लिए तैयार है। दोनों नेता इस बात पर सहमत हुए कि हिंसा, अभद्र भाषा और सांप्रदायिक झगड़े सभी समुदायों के लिए हानिकारक हैं । सितंबर 2022 में, संघ प्रमुख डॉक्टर मोहन भागवत ने कुछ बेहद खास किया। आरएसएस के इतिहास में पहली बार, उन्होंने दिल्ली में एक मस्जिद और एक मदरसे का दौरा किया। यह दौरा अखिल भारतीय इमाम संगठन के प्रमुख इमाम उमर अहमद इलियासी के निमंत्रण पर हुआ था। भागवत ने मदरसे के छात्रों के साथ बैठकर, इमामों से बातचीत की और शांति व एकता का संदेश दिया। इस दौरान, भागवत ने कहा कि सभी भारतीय, चाहे वे हिंदू हों या मुसलमान, भाई-भाई हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्र सर्वोपरि है और हर धर्म शांति और दूसरों के प्रति सम्मान सिखाता है। उन्होंने यह भी कहा कि असली भारतीय संस्कृति हमें आपस में लड़ना नहीं, बल्कि साथ रहना सिखाती है। इस मस्जिद दौरे के बाद, मोहन भागवत ने पांच जाने-माने मुस्लिम बुद्धिजीवियोंः एस.वाई. कुरैशी (पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त), नजीब जंग (दिल्ली के पूर्व उपराज्यपाल), जमीर उद्दीन शाह (अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति), पत्रकार शाहिद सिद्दीकी और सईद शेरवानी के साथ एक विशेष बैठक भी की। इन नेताओं ने भागवत के साथ एक सम्मानजनक और सार्थक बातचीत की। उन्होंने समाज में व्याप्त बुराइयों, अभद्र भाषा, अल्पसंख्यकों में भय और सोशल मीडिया पर झूठी खबरों पर चर्चा की। भागवत ने धैर्यपूर्वक उनकी बात सुनी और कहा कि इन सभी समस्याओं का समाधान सत्य, सम्मान और संवाद से होना चाहिए। जनवरी 2023 में, दिल्ली के पूर्व उपराज्यपाल नजीब जंग के घर पर एक और महत्वपूर्ण बैठक हुई। डॉक्टर कृष्णजी गोपाल, श्री जी और डॉक्टर इंद्रेश कुमार जी जैसे वरिष्ठ आरएसएस विचारक इस बैठक में शामिल हुए। उन्होंने मुस्लिम विद्वानों और नेताओं के साथ बैठकर इस बात पर चर्चा की कि नफरत को कैसे रोका जाए, बेहतर समझ कैसे पैदा की जाए और समुदायों के बीच विश्वास कैसे बनाया जाए। आरएसएस नेताओं ने स्पष्ट किया कि संघ किसी भी धर्म के विरुद्ध नहीं है। उन्होंने कहा कि आरएसएस का असली लक्ष्य सभी भारतीयों को एकजुट करना है, न कि उन्हें विभाजित करना। उन्होंने कहा कि लोगों का मूल्यांकन उनके चरित्र से होना चाहिए, न कि उनके धर्म से। जुलाई 2025 में, आरएसएस ने एक और बड़ा कदम उठाया। दिल्ली के हरियाणा भवन में एक बैठक में 60 से अधिक मुस्लिम धर्मगुरुओं, मौलवियों और विद्वानों को आमंत्रित किया गया था। यह बैठक भी अखिल भारतीय इमाम संगठन द्वारा आयोजित की गई थी। संघ को मोहनजी भागवत और आरएसएस के अन्य वरिष्ठ सदस्य इसमें शामिल हुए। इस बैठक में संघ प्रमुख भागवत ने एक स्पष्ट और सकारात्मक संदेश दिया। उन्होंने कहाः हमें समाज में सद्भावना की आवश्यकता है। कोई भी मंदिर या मस्जिद अकेले भारत की रक्षा नहीं कर सकते। समुदायों के बीच एकता और भाईचारा ही ऐसा कर सकता है। संघ प्रमुख डॉक्टर मोहनजी भागवत ने कुछ बहुत ही व्यावहारिक विचार प्रस्तुत किए। उन्होंने कहा कि पुजारियों (मंदिरों के पुजारियों) और इमामों (मस्जिद के प्रमुख) को एक-दूसरे के यहाँ जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि गुरुकुलों और मदरसों के छात्रों को एक साथ बैठकर एक-दूसरे से सीखना चाहिए। ये कदम दोनों समुदायों के बीच भय को दूर करने और वास्तविक समझ बनाने में मदद करेंगे। आरएसएस ने यह भी सुझाव दिया कि दोनों समुदायों को संयुक्त सांस्कृतिक कार्यक्रम, स्वास्थ्य शिविर, स्वच्छता अभियान और शैक्षिक सेमिनार आयोजित करने चाहिए। जब लोग मिलकर काम करते हैं, तो वे एक-दूसरे को दुश्मन नहीं, बल्कि दोस्त मानते हैं। इन सभी बैठकों में एक बात बिल्कुल स्पष्ट थीः आरएसएस एकता चाहता है, विभाजन नहीं। उसका मानना है कि अगर भारतीय आपस में लड़ते रहेंगे, तो विदेशी ताकतें और राष्ट्र-विरोधी तत्व इसका फायदा उठाएंगे। एक मजबूत, एकजुट भारत ही एक विकसित और शांतिपूर्ण राष्ट्र बन सकता है। भागवत ने कई बार हिंसा और नफरत के खिलाफ भी बात की है। उन्होंने कहा कि जो लोग धर्म के नाम पर लोगों की हत्या करते हैं, वे हिंदू धर्म का पालन नहीं कर रहे हैं। उनका मानना है कि सच्चा धर्म प्रेम, क्षमा, सेवा और सत्य है। आरएसएस यह सुनिश्चित करने के लिए भी काम कर रहा है कि सभी धर्मों के लोग सुरक्षित और सम्मानित महसूस करें। इसके स्वयंसेवकों को प्राकृतिक आपदाओं के दौरान लोगों की मदद करने, राहत कार्य आयोजित करने, गरीब बच्चों को पढ़ाने और बुजुर्गों की सेवा करने के लिए प्रशिक्षित किया जाता है–बिना किसी से उनके धर्म के बारे में पूछे।

कुहासे में प्रजातंत्र

सरेआम धार्मिक सम्मेलनों तक में हिंदुओं को संगठित होकर मुसलमान विरोध के लिए उकसाया जाता है और दूसरी ओर 15 मिनट पुलिस को बैरकों में भेजने की धमकियां होती हैं। हिंदू बहुसंख्यक होने के कारण उनकी जिम्मेदारी भी बड़ी होती है। वहां से पहल तो संबंध सुधार की हो सकती है। करोड़ों लोग एक-दूसरे को शक की निगाह से देखेंगे तो यह सुखी समृद्ध राष्ट्र के निर्माण के लिए सही स्थिति नहीं है। दोनों ओर कानून को अपने हाथ में लेने की प्रवृत्ति बढ़ रही है। इनके बीच दो मुद्दे फूट डालने के लिए मुख्य हैं- एक धर्मांतरण और दूसरा गो-हत्या। इनको कानून सम्मत तरीके से ही हल किया जा सकता है। गोहत्या के आरोप में ऐसे निरपराध लोगों की मार पीट कर हत्याएं होने की घटनाएं हुई हैं जो पालने के लिए गाएं ले जा रहे थे।

कुलभूषण उपमन्यु

सदियों की गुलामी से निकल कर भारतवर्ष एक प्रजातांत्रिक गणराज्य बना, जिसके लिए अनगिनत देशवासियों ने शहादतें दीं। लंबे स्वतंत्रता आंदोलन की भट्ठी में तप कर इस प्रजातंत्र का उदय हुआ। विभिन्न राजनीतिक दलों ने तब से इस देश की बागडोर को संभाल कर विकास यात्रा का संचालन किया है। देश के विभाजन से उत्पन्न समस्याओं से निबटने के साथ हुई शुरूआत, देश की उत्पादन प्रक्रियाओं को बढ़ाते हुए आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रही है। जैसे जैसे देश आगे बढ़ रहा है, इसके शासन के क्षितिज पर अधिकार की प्रतिस्पर्धा भी तीव्र होती जा रही है। एक प्रजातंत्र के लिए स्वस्थ प्रतिस्पर्धा हमेशा लाभदायक ही होती है। किन्तु जब शासन प्राप्त करने की वृत्ति, संवैधानिक प्रक्रियाओं का अनुपालन करते हुए आगे बढ़ने के बजाय अधीरता का शिकार हो जाती है तो साम, दाम, दंड, भेद का शिकार हो जाती है। जनमत को प्रभावित करने के जायज तरीकों के बजाय धन बल, गुंडई और फूट डालो और राज करो के तरीके अपनाए जाने लगते हैं। दूसरे की उपलब्धियों को कमतर करके दिखाना अपनी उपलब्धियों को बढ़ा-चढ़ा कर प्रचारित करना, और प्रतिपक्ष का चरित्र हनन तक के झूठे कथानक घडकर अपना वर्चस्व बनाने के प्रयास किए जाने लगते हैं। वर्तमान में हम भारत के नागरिक इन्हीं परिस्थितियों द्वारा पैदा किए गए कुहासे में जीने को अभिशप्त हैं। देश तो आगे बढ़ रहा है, किन्तु देश का नागरिक जन बल जिसके बिना किसी देश की कल्पना तक नहीं की जा सकती, राजनीतिक खेमेबंदियों द्वारा पैदा किए गए कुहासे की चपेट में आकर दिग्भ्रमित होता जा रहा है। यह स्थिति अंदर से देश को कमजोर करने वाली है, इसलिए तुरंत ध्यान दिए जाने की अपेक्षा करती है। सोशल मीडिया के जमाने में यह और भी ज्यादा खतरनाक हो गया है जहां जितना मर्जी झूठ परोसा जा सकता है और आम नागरिक उसे सच भी मान लेता है। उदाहरण के लिए सोशल मीडिया पर आए दिन जवाहर लाल नेहरु को मुसलमान साबित करने की झूठी मुहिम चलाई जा रही है और एक बड़ा वर्ग इस बात को सच समझ कर आपके साथ बहस करने पर उतारू हो जाएगा। मुंह से कोई बात निकालो तो आपको लिबरल गैंग का सदस्य या अंधभक्त घोषित कर दिया जाएगा, यानी अधिकांश लोग किसी एक पक्ष के गुलाम हो चुके हैं जिससे निष्पक्षता से किसी मुद्दे के दोनों पक्षों की सच्चाई जान कर निर्णय करने की संभावना लगभग समाप्त होती जा रही है। नेहरु ने भले ही कुछ गलतियां की हों, किन्तु राष्ट्र निर्माण और प्रजातंत्र की भावना को स्थिर करने के शुरूआती काम में उनके काम को कोई नकार ही नहीं सकता। इसलिए उसे मुसलमान ही घोषित कर दो, यह बेल्ट के नीचे प्रहार करना है। इंदिरा जी ने देश का कठिन समय में नेतृत्व किया और देश आगे बढ़ाया, किन्तु राजनीतिक दलों में आंतरिक प्रजातंत्र को समाप्त भी किया। हाईकमान संस्कृति का उदय हुआ, जिसे अन्य भी कई दलों ने अपना लिया। राजीव गांधी ने दो बड़े काम किए, एक कंप्यूटर युग की शुरूआत और पंचायती राज को संवैधानिक दर्जा देना। किन्तु जल्दबाजी वाले समझौते जो कभी वास्तविकता नहीं बन सके और श्रीलंका में सेना भेजने की गलती भी की। वाजपेयी ने आणविक शक्ति बन चुके देश को प्रकट रूप में आणविक शक्ति संपन्न देश घोषित करवाने का साहस किया और ग्रामीण सडक योजना और अन्य परिवहन योजनाओं को गति देकर विकास को गति देने का कार्य किया। मनमोहन सिंह ने मनरेगा के माध्यम से ग्रामीण विकास को पर्याप्त धन उपलब्ध करवा कर नई दिशा दी। वन अधिकार कानून बना कर आदिवासी और अन्य वन निर्भर समुदायों को आजीविका सुलभ बनाने में योगदान दिया। वर्तमान सरकार ने सुरक्षा और ढांचागत निर्माण और अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने में अच्छा काम किया। आम आदमी तक बुनियादी सुविधाएं पहुंचाने की ओर ध्यान दिया, किन्तु राजनीतिक प्रतिस्पर्धा का स्तर बहुत गिरा दिया। चरित्र हनन तक के हथियार प्रयोग होने लगे, किन्तु विपक्ष ने भी गाली-गलौच से मुकाबला करना शुरू किया। सबसे बड़ा चिंता का कारण तो सांप्रदायिक सोच को बढ़ावा देना है।

हिंदू-मुसलमान हर बात में किया जाने लगा है। जब सबको पता है कि हमें इकट्ठे ही हमेशा रहना है, तो आपसी मेलजोल और एक-दूसरे का हित ध्यान में रखना ही होगा। दोनों ओर कुछ कट्टरपंथी सोच के लोग समाज में होते हैं, उनको चेहरा बनाने के काम में मीडिया ने भी गलत भूमिका निभाई है। टीवी इस मामले में बहुत सक्रिय रहा है। फालतू की बहसें आयोजित की जाती हैं जिसमें भाग लेने के लिए ऐसे-ऐसे कट्टरपंथियों को बुलाया जाता है जो दोनों ओर जहर घोलने का ही काम करते हैं। ऐसे लोगों को मीडिया में महिमामंडित करने का ही काम अप्रत्यक्ष रूप से किया जा रहा है। इससे आम आदमी के स्तर पर फूट का संदेश पहुंच रहा है। इसका लंबे समय में कितना हानिकारक प्रभाव समाज के आंतरिक ताने बाने पर पड़ेगा इस ओर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। सरेआम धार्मिक सम्मेलनों तक में हिंदुओं को संगठित होकर मुसलमान विरोध के लिए उकसाया जाता है और दूसरी ओर 15 मिनट पुलिस को बैरकों में भेजने की धमकियां होती हैं। हिंदू बहुसंख्यक होने के कारण उनकी जिम्मेदारी भी बड़ी होती है। वहां से पहल तो संबंध सुधार की हो सकती है। करोड़ों लोग एक-दूसरे को शक की निगाह से देखेंगे तो यह सुखी समृद्ध राष्ट्र के निर्माण के लिए सही स्थिति नहीं है। दोनों ओर कानून को अपने हाथ में लेने की प्रवृत्ति बढ़ रही है। इनके बीच दो मुद्दे फूट डालने के लिए मुख्य हैं- एक धर्मांतरण और दूसरा गो-हत्या। इनको कानून सम्मत तरीके से ही हल किया जा सकता है। गोहत्या के आरोप में ऐसे निरपराध लोगों की मार पीट कर हत्याएं होने की घटनाएं हुई हैं जो पालने के लिए गाएं ले जा रहे थे।

राग और भय

चिंतन-मनन

डॉ. ज्ञानानंददास स्वामी

राग और भय ये दो भाव मनुष्य के भीतर सबसे अधिक उलझाव उत्पन्न करते हैं। राग यानी किसी वस्तु, व्यक्ति, विचार या स्थिति के प्रति आसक्ति। और भय यानी उसे खो देने का डर। यही मानसिक दशा मनुष्य को तनाव,चिंता और असंतुलन की ओर ले जाती है। किंतु गीता कहती है कि जब मनुष्य राग और भय' से ऊपर उठ जाता है तभी वह उच्चतर उद्देश्य को पूर्ण रूप से जी सकता है। 1892 में स्वामी विवेकानंद शिकागो की विश्व धर्म परिषद् में हिस्सा लेने जा रहे थे। दानदाताओं की सहायता से वे शिकागो पहुंचे तो सही पर न तो वे किसी प्रसिद्ध संस्थान के प्रतिनिधि थे न ही उनके पास पर्याप्त संसाधन। जब वे शिकागो पहुंचे तो उन्हें पता चला कि सम्मेलन की तिथि आगे बढ़ा दी गई ह और प्रतिनिधि के रूप में पंजीकरण की अंतिम तिथि निकल चुकी थी। उनके पास ठहरने की व्यवस्था नहीं थी ठंडी जलवायु में वे दर-दर भटकते रहे। भूख, थकान और अनिश्चितता के बीच उन्होंने अपने धैर्य और आत्मबल को नहीं खोया। ऐसी स्थिति में उनकी स्थिरता का कारण था; वे एक तो राग से मुक्त थे। उन्हें न नाम न यश की लालसा थी। दूसरा वे भय से मुक्त थे। आर्थिक संकट, अनिश्चितता, विदेशी भूमि की चुनौती, किसी भी डर ने उन्हें विचलित नहीं किया। इससे रास्ता अपने आप बनता गया। जब स्वामी विवेकानंद मंच पर पहुंचे और उन्होंने अपनी पहली पंक्ति कही,,सिस्टर्स एंड़ ब्रदर्स ऑफ अमेरिका' तो सभा में उपस्थित 7,000 से अधिक लोग कई मिनट तक तालियां बजाते रहे। उन्होंने वेदांत, सहिष्णुता, सभी धर्मों की एकता और मानवता के विचार प्रस्तुत किए। स्वामी विवेकानंद के इस संपूर्ण प्रसंग में हम स्पष्ट रूप से देख सकते हैं कि उनका एक ही लक्ष्म था। भारत की आत्मा,वेदांत की महिमा और मानवता का संदेश पूरे विश्व तक पहुंचाना। इसीलिए महंत स्वामी महाराज समझाते हैं। जिनके भय और राग दूर हो गए हैं वे ही भगवद् भाव को पा सकते हैं' क्योंकि जहां न मांग है न डर, बस उपस्थिति है सतत परमात्मा के सामीप्य की! इसलिए गीता का यह वाक्य मानसिक स्वतंत्रता का भी मंत्र है। जो भय और राग से मुक्त है,वही वास्तव में स्वतंत्र है और वही भगवान के सच्चे भाव को प्राप्त करने में सक्षम है।

आपके पत्र

छात्र त्रस्त, अभिभावक व्यस्त, शिक्षक मस्त

प्रतिस्पर्धा के आधुनिक युग में अधिकांश गैर सरकारी विद्यालयों में हर वर्ष वार्षिक छुट्टियों के लिए छात्रों को भारी-भरकम गृह कार्य दे दिया जाता है, जैसे चार्ट बनाना, मॉडल बनाना आदि, जो विकासशील छात्रों के लिए कदापि उचित नहीं, क्योंकि प्रायः अभिभावक ही इसे पूरा करते हैं। छुट्टियों के बाद उन मॉडलों को विद्यालय में सजा दिया जाता है। शिक्षक भी अभिभावकों द्वारा बनाए मॉडल, यह समझकर फूले नहीं समाते कि उनके द्वारा पढ़ाए छात्रों ने ये बनाए, क्योंकि वास्तविकता से वे भी अनजान रहते हैं। छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए ऐसी छद्म रीति पर विराम लगना ही चाहिए।

छात्रों को ऐसी शिक्षा दी जानी चाहिए ताकि वे भविष्य में आने वाली चुनौतियों का सामना खुद कर सकें। रट्टामार पढ़ाई के बजाय छात्रों को नवनवोन्मेष और सृजनशीलता का पाठ पढ़ाया जाना चाहिए।

शीव तिवारी

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।
प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website : www.metrorays.in**
email : metrorays.ranchi@gmail.com

न्यूज IN ब्रीफ

हत्या के मामले में अपर सत्र न्यायाधीश तृतीय ने सुनवाई उम्र कैद की सजा

साहिबगंज/बरहेट : थाना क्षेत्र के हरचंद पुर गांव में अर्ध रात्रि को सोया अवस्था में अपनी सास की धारदार हथियार से हत्या करने के मामले में गुरुवार को शेखर कुमार अपर सत्र न्यायाधीश तृतीय साहिबगंज ने सजा की बिंदु पर सुनवाई करते हुए आरोपी ताला बाबू टुडू को उम्र कैद एवं ₹10000 जुमार्ना की सजा सुनाई है। मामले के संबंध में न्यायालय से मिली जानकारी के अनुसार बरहेट थाना क्षेत्र अंतर्गत हर चंद्रपुर गांव में 21 अप्रैल 2021 के मध्य रात्रि में आरोपी ताला बाबू टुडू ने धारदार हथियार से अपनी सास छिब्बा सोरेन की सोये अवस्था में हत्या कर दिए।मां की आवाज सुनकर उनके पुत्र बाबूजी किस्कू जब छत से नीचे उतरा तो देखा कि उनका जीजा ताला बाबू टुडू धारदार चाकू लेकर मृतक के बगल में खड़ा था।जब सब मिलकर उन्हें पकड़ने का कोशिश किया तो फरार हो गए।मृतक के पुत्र बाबूजी किस्कू ने बरहेट थाना कांड संख्या 51/2021 में हत्या आरोपी ताला बाबू टुडू के खिलाफ प्राथमिक की दर्ज कराई है।न्यायालय ने दोनों पक्षों का वह सुनने के उपरांत आरोपी ताला बाबू टुडू को भा द वी की धारा 302 का दोषी पाए और सजा के बिंदु पर सुनवाई करते हुए आरोपी को सश्रम उम्र कैद एवं₹10000 जुमार्ना की सुनाई गई है।अभियोजन पक्ष की ओर से अनुराग शुक्ला और बचाव पक्ष की ओर से कुमार अभ्युदय झा ने सनी में हिस्सा लिये थे।

मजदूरों के हित के लिए संगठन लगातार काम कर रही है : यादव

साहिबगंज : जिले के राजमहल निरीक्षण भवन में झारखंड मजदूर संघ प्रजातांत्रिक की जिला स्तरीय कोर कमिटी की बैठक जिला अध्यक्ष मिथुन कुमार यादव की अध्यक्षता में हुई।बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में झारखंड मजदूर संघ प्रजातांत्रिक के केंद्रीय महामंत्री राजकुमार यादव मुख्य रूप से मौजूद थे।बैठक में सदस्यता अभियान को लेकर चर्चा की गई।केंद्रीय महामंत्री राजकुमार यादव ने बताया कि जिले में मजदूरों के हित के लिए संगठन लगातार काम कर रही है.उन्होंने बताया कि क्षेत्र में काम कर रहे हैं मजदूरों को अगर किसी तरह की परेशानी होती है तो वह सीधे संगठन से संपर्क करें.श्री यादव ने बैठक में मौजूद कार्यकताओं से कहा कि वह जिले के विभिन्न प्रखंडों में दौरा कर संगठन को मजबूत करने का काम करे.वही उन्होंने बताया कि आगामी 5 अगस्त से लेकर 5 सितंबर 2025 तक जिले के विभिन्न प्रखंडों में सदस्यता अभियान चलाकर लोगों को संगठन में जोड़ने का काम करेंगे।बैठक मे संगठन के केंद्रीय महामंत्री राजकुमार यादव,फूल कुमारी देवी,इमाम विश्वास,जिला कार्य मंत्री दाम कुमार,बासु सहायक मंत्री मिथुन राजवंशी,प्रखंड महामंत्री-दुर्योधन साह,गौतम शाह मुस्लिम मुस्तफिज, मुस्तफिज शेख,शार्दुल ठाकुर सहित अन्य लोग मौजूद थे।

सफाई अपनाओ बीमारी भगाओ अभियान चलाया

साहिबगंज : अपर सचिव नगर विकास और आवास विभाग -सह-उप निदेशक राज्य शहरी विकास प्राधिकार रांची के निर्देश के आलोक में 01 जुलाई 2025 से 31 जुलाई 2025 तक सफाई अपनाओ बीमारी भगाओ अभियान चलाया गया।इस अभियान के आज अंतिम दिन नगर परिषद साहिबगंज के सभागार में नगर परिषद के सभी कर्मियों की स्वास्थ्य हेतु चिकित्सा जांच शिविर का आयोजन किया गया।साथ ही गांधी चौक,पटेल चौक,रेलवे स्टेशन परिसर एवं गोडावड़ी हटिया में नुक्कड़ नाटक करवाया गया।उपरोक्त कार्यक्रम में प्रशासक अभिषेक कुमार सिंह,नगर प्रबंधक बीरेश कुमार,डॉक्टर सुलभ सुमन,प्रदीप बोबोंगा,राहुल कुमार,अमरजीत कुमार,गुलरेज आलम,राज कमल,शांति मुर्मू,बसंती बेसरा,प्रिंस दीपक,शिव कुमार हरि के साथ नगर परिषद के सभी कर्मी अपने शरीर का मेडिकल चेक करवाए एवं चिकित्सक से दवा एवं हेल्थ संबंधी परामर्श लिए।प्रशासक एवं नगर प्रबंधक के द्वारा आम लोगों से सफाई पर विशेष ध्यान देने की अपील की।

बाबा बैद्यनाथ व बासुकिनाथ पर जल अर्पित करने साहिबगंज से बोल बम जत्था रवाना

साहिबगंज : सावन माह के शुभ अवसर पर साहिबगंज से बोल बम और हर हर महादेव की जयघोष के साथ युवाओं की टोली बाबाधाम देवघर और बासुकिनाथ धाम के लिए साहिबगंज-दानापुर इंटरसिटी से रवाना हुआ।पिछले पांच वर्ष की तरह इस वर्ष भी यह टोली दर्जनों की संख्या में शिव भक्तों के साथ महादेव का जनअभिषेक हेतु निकल चुका है।इस बम टोली में प्रमुख रूप से टाइगर अंकित बम,अभय बम,मोनू बम, अभिनाश बम,अरविंद बम,रवि बम, दिवाकर बम,मुकेश बम,अमन बम, अमित बम,पप्पू बम,गोपी बम,अजित बम,मिथुन बम,देवा बम विकाश बम,अजय बम आदि शामिल हैं।यह टोली नंगे पांव सैकड़ों किलोमीटर की यात्रा तय कर देवघर पहुंचते है जहां बाबा बैद्यनाथ को गंगा जल अर्पित करते हैं,फिर बाबा बासुकिनाथ धाम पहुंच बाबा बासुकी को जल अर्पित कर यात्रा पूरी करते हैं।यात्रा के दौरान टोली के सभी बम बंधु एक दूसरे का उत्साह बढ़ाते हैं।

विश्व आदिवासी दिवस पर उप राजधानी दुमका में होगा जिला स्तरीय कार्यक्रम

संवाददाता

दुमका : विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर दिनांक 9 अगस्त 2025 को झारखंड की उप राजधानी दुमका स्थित कन्वेंशन सेंटर में जिला स्तरीय समारोह का आयोजन किया जायेगा। इस आयोजन को सफल बनाने हेतु जिले के उप विकास आयुक्त अनिकेत सचान की अध्यक्षता में गुरुवार को बैठक आयोजित की गई, जिसमें कार्यक्रम की रूपरेखा तय की गई।

इस विशेष अवसर पर विद्यालयों के छात्र-छात्राओं एवं स्थानीय कलादलों द्वारा आदिवासी नृत्य और संगीत की प्रस्तुति के माध्यम से समृद्ध आदिवासी संस्कृति की झलक दिखाई जाएगी। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों द्वारा योजनाओं की जानकारी हेतु स्टॉल भी लगाए जाएंगे, ताकि आम नागरिक सरकारी योजनाओं की जानकारी सीधे प्राप्त कर सकें।

साथ ही, स्वयं सहायता समूहों एवं स्थानीय कारीगरों द्वारा निर्मित हैंडीक्राफ्ट उत्पादों की प्रदर्शनी एवं बिक्री हेतु विशेष स्टॉल लगाए जाएंगे, जिससे स्थानीय कला एवं हस्तशिल्प को प्रोत्साहन मिलेगा।

समारोह के दौरान विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों को सम्मानित भी किया जाएगा।

यह कार्यक्रम आदिवासी अस्मिता, संस्कृति और अधिकारों को सशक्त रूप में प्रस्तुत करने का एक सशक्त मंच साबित होगा।

जिला प्रशासन ने सभी नागरिकों से इस आयोजन में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाने की अपील की है।

बैठक में सहायक समाहर्ता नाजिश उमर अंसारी,जिला जनसम्पर्क पदाधिकारी रोहित कन्डुलना, जिला कल्याण पदाधिकारी गौतम कुमार मोदी उपस्थित थे।

पंचायत उन्नति सूचकांक 1.0 पर कार्यशाला, उत्कृष्ट पंचायतों को मिला सम्मान

संवाददाता

साहिबगंज : सिद्धू-कान्हू सभागार साहिबगंज में पंचायत उन्नति सूचकांक 1.0 विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता उप विकास आयुक्त साहेबगंज ने की। इस अवसर पर जिले के पंचायत उन्नति सूचकांक 1.0 पर आधारित पुस्तक का विधिवत विमोचन किया गया। कार्यशाला में जिले भर से आए विभागीय अधिकारियों को पंचायत उन्नति सूचकांक के उद्देश्यों,मापदंडों व कार्यान्वयन की विस्तृत जानकारी दी गई। जिले के उच्च प्रदर्शन करने वाले पंचायतों एवं प्रखंडों को सम्मानित कर उनके कार्यों की सराहना की गई। उप विकास आयुक्त महोदय ने सभी अधिकारियों को आगामी पंचायत उन्नति सूचकांक 2.0 में और बेहतर परिणाम लाने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए और कहा कि यह पहल ग्राम पंचायतों की क्षमता, पारदर्शिता एवं उत्तरदायित्व में वृद्धि का माध्यम बनेगी।कार्यक्रम में जिला परिषद उपाध्यक्ष, जिला कृषि पदाधिकारी, जिला पंचायत राज पदाधिकारी, सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी, डीपीएम, मास्टर ट्रेनर सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मी एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। कार्यशाला के माध्यम से सभी उपस्थित प्रतिभागियों ने पंचायती राज व्यवस्था को सशक्त और जनोन्मुखी बनाने की दिशा में कार्य करने का संकल्प लिया।

उपायुक्त ने किया राजकीय पुस्तकालय का निरीक्षण

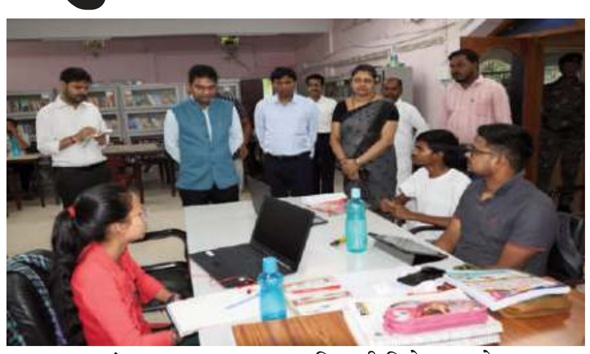

संवाददाता

दुमका : जिले के उपायुक्त अभिजीत सिन्हा ने गुरुवार को राजकीय पुस्तकालय दुमका का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान पुस्तकालय की व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने हेतु कई निर्देश दिए गए। साइकिल स्टैंड में सीसीटीवी कैमरा लगाए जाने तथा खराब पड़ी वॉटर फिल्टर मशीनों की मरम्मत कराने का निर्देश दिया गया। शौचालयों की सफाई सुनिश्चित करने के लिए भी विशेष रूप से कहा गया। इसी क्रम में जनरेटर की मरम्मत कर उसे चालू हालत में रखने को कहा गया ताकि छात्रों के लिए लैपटॉप चार्जिंग और पावर बैकअप की सुविधा उपलब्ध रहे।

उपायुक्त श्री सिन्हा ने कहा कि पुस्तकालय में उपयोगी पुस्तकों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए और हर माह एक दिन करियर काउंसलिंग कार्यक्रम आयोजित किया जाए। वाई-फाई सेवा सुचारु रूप चले इसे सुनिश्चित कर ले। निरीक्षण के क्रम में यह बात भी सामने आई कि आवश्यक विषयों जैसे विज्ञान, वाणिज्य आदि की अध्ययन सामग्री और मशीनें पर्याप्त संख्या में उपलब्ध नहीं हैं। इस पर उपायुक्त ने संबंधित विभागों को उपकरण उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त, पुस्तकालय में पंजी संधारण व्यवस्था को और सुदृढ़ करने हेतु प्रशिक्षित छात्रों की प्रतिनियुक्ति की जाएगी ताकि पठन-पाठन गतिविधियों में व्यवस्थित संचालन हो सके। उपायुक्त श्री सिन्हा ने कहा कि पुस्तकालय को केवल किताबों तक सीमित नहीं रखा जाए बल्कि इसे एक अध्ययन केंद्र के रूप में विकसित किया जाए, जहाँ छात्रों को बेहतर अध्ययन माहौल, तकनीकी संसाधन और करियर मार्गदर्शन की सुविधाएँ सुलभ हों।

तीन पाली में की जाती है संपूर्ण मेला क्षेत्र की साफ- सफाई : अजमल हुसैन

संवाददाता

बासुकीनाथ : विश्व प्रसिद्ध तीर्थ नगरी बाबा बासुकीनाथ धाम में आयोजित मासव्यापी श्रावणी मेला महोत्सव को लेकर नगर पंचायत बासुकीनाथ संवेदनशील है. पावन नगरी बासुकीनाथ धाम आए श्रद्धालुओं की सुविधा व्यवस्था को लेकर नगर पंचायत बासुकीनाथ के द्वारा अनेक तरह की व्यवस्थाएं की गई है. एक विशेष भेंट में नगर पंचायत बासुकीनाथ के प्रशासक अजमल हुसैन ने कहा कि संपूर्ण मेला क्षेत्र में कल तीन पाली में साफ- सफाई का कार्य सफाई कर्मियों के द्वारा किया जा रहा है. कचरा का निष्पादन किया जा रहा है. ब्लीचिंग पाउडर, चुना एवं फिनाईल आदि का प्रयोग संपूर्ण मेला क्षेत्र में किया जा रहा है. तालाब की सफाई की गई है.छठ घाट की सफाई की गई है. मेला क्षेत्र में आने वाले नाली की सफाई की गई है. इस सावन माह में संपूर्ण

मेला क्षेत्र में कुल 450 सफाई कर्मी को लगाया गया है. शिव भक्तों को किसी प्रकार की कठिनाई नहीं हो इसका ख्याल नगर पंचायत बासुकीनाथ के द्वारा किया जा रहा है. नगर पंचायत बासुकीनाथ के प्रशासक अजमल हुसैन में आगे बताया कि सुविधा व्यवस्था के तहत संपूर्ण मेला क्षेत्र में स्ट्रीट लाइट,सोलर लाइट, हाई मास्ट, एवं मिनी मास्ट लगाए गए हैं. इसके अतिरिक्त संपूर्ण मेला क्षेत्र में टैंकर के माध्यम से शिव भक्तों के लिए जलापूर्ति की जा रही है. श्रावणी मेला को सफलतापूर्वक संपादित करने के लिए नगर पंचायत कार्यालय कृत संकल्प है. नगर पंचायत बासुकीनाथ के द्वारा जन-सुविधा, जल-मल निकासी, सड़कों पर रोशनी, जलापूर्ति एवं सड़क की देखभाल का कार्य किया जाता है.

शिव भक्तों की सेवा में जुटी है बाबा बासुकीनाथ सेवा समिति

संवाददाता

बासुकीनाथ : विश्व प्रसिद्ध तीर्थ नगरी बाबा बासुकीनाथ धाम में आयोजित श्रावणी मेला महोत्सव को सफलतापूर्वक संपादित करने के लिए जहां एक ओर जिला प्रशासन एवं नगर पंचायत बासुकीनाथ जुटी हुई है वहीं दूसरी ओर बाबा के भक्तों की सेवा में स्वयंसेवी संस्था भी जुटी हुई है. इस कड़ी में बाबा बासुकीनाथ सेवा समिति कोलकाता के द्वारा बाबा नगरी बासुकीनाथ धाम में वर्ष 1992 से निःशुल्क सेवा शिविर का आयोजन किया जा रहा है. श्रद्धालुओं के लिए यहां निःशुल्क भोजन की व्यवस्था की गई है. मौके पर उपस्थित बाबा बासुकीनाथ सेवा समिति के प्रधान सचिव सह व्यवस्थापक कमल किशोर केजरीवाल ने बताया कि शिव भक्तों की सेवा के लिए यह सेवा शिविर कृत संकल्प है. प्रतिदिन प्रातः 8:00 बजे से रात्रि 10:00 बजे तक शिव भक्तों को निःशुल्क भोजन कराया जाता है. पूरे श्रावणी माह में 40 से 50 हजार शिव भक्तों की सेवा की जाती है. शिव भक्तों की सेवा से हृदय पवित्र हो जाता है. चिकित्सकों के अभाव में 2 वर्ष से श्रद्धालुओं के लिए यहां प्राथमिक चिकित्सा की व्यवस्था नहीं हो पाई है. यह निःशुल्क सेवा शिविर बाबा के आशीर्वाद से अनवरत रूप से जारी रहेगा. प्रधान सचिव श्री केजरीवाल ने बताया कि शिविर में आए श्रद्धालुओं की सेवा में समिति के अध्यक्ष केशर देव दत्ता, सदस्य क्रमशः संजय जैन, विजय शंकर गुप्ता, मनोज अग्रवाल, मनोज पांडेय, कैलाश मित्तल, शिवकुमार जगनानी, चंडी प्रसाद गुप्ता, उमाशंकर सिंह, अरुण कुमार राय,पंचायत समिति सदस्य बबीता देवी(पेटसार), स्वयंसेवक चंदन कुमार राय एवं जरमुंडी के मनोज कुमार भुवानियां जुटे हुए हैं.

गंगा की नगरी में एनडीआरएफ की टीम हमेशा रखने की मांग

संवाददाता

साहिबगंज : जीरवाबाड़ी थाना क्षेत्र अंतर्गत अम्बडीहा में गुरुवार को बाढ़ के पानी में डूब गई परिजनों से आनन फानन में बच्ची को बाढ़ के पानी से बाहर निकालकर सदर अस्पताल लेकर आया।जहां डॉक्टरों ने बच्ची को मृत घोषित कर दिया।वही जीरवाबाड़ी थाना की पुलिस सदर अस्पताल पहुंचकर जांच करके पोस्टमार्टम कराया। वही जिला परिषद उपाध्यक्ष सुनील यादव को सूचना मिली तो वो तुरंत सिदो कान्हु सभागार में एक कार्यक्रम को छोड़कर सदर अस्पताल पहुंचकर परिजनों से मिलकर ढांढस बंधाया।वही डॉक्टरों से मिलकर जल्द से जल्द सारी प्रक्रिया पूर्ण करके बच्ची को सौंपने और सीओ से वार्ता करके बच्ची को सरकारी प्रावधान के अनुसार मुआवजा राशि जल्द से जल्द देने का मांग किया।वही सरकार से गंगा की नगरी में एनडीआरएफ की टीम यहां हमेशा के लिए रखने का मांग किया।उपाध्यक्ष ने कहा कि गंगा साहिबगंज में है,हर साल दर्जनों लोग डूबकर मौत के मुंह में समा जाते है,बाढ़ हर वर्ष आती है।फिर भी यहां अब तक एनडीआरएफ नहीं है,गंगा में डूबने ओर समय पर राहत बचाव कार्य नहीं होने के कारण प्रत्येक वर्ष दर्जनों लोगों की जान चली जाती है।वही बच्ची के दादा रामविलास ने बताया कि गंगा का जलस्तर बढ़ने से बाढ़ का पानी घर तक आ गया है।सान्वी कुमारी जिसका उम्र एक वर्ष 10 माह लगभग है,घर में खेल रही थी,खेलते खेलते कैसे बाढ़ के पानी में सुबह लगभग नौ बजे गिर गई।

ओबीसी के अधिकार को लेकर कांग्रेस सड़क से लेकर सदन तक आवाज बुलंद करेगी : अजय यादव

संवाददाता

साहिबगंज : ओबीसी के 27% आरक्षण की मांग को कांग्रेस सड़क से सदन तक आवाज बुलंद करेगी ये बाते साहिबगंज कांग्रेस ओबीसी विभाग के जिला अध्यक्ष अजय कुमार यादव ने साहिबगंज बंगाली टोलो स्थित कांग्रेस कार्यालय मे प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा उन्होंने कहा की ओबीसी के अधिकार को लेकर आगामी 6 अगस्त को रांची में राजभवन के समक्ष कांग्रेस ओबीसी विभाग के प्रदेश अध्यक्ष अभिलाष साहू के नेतृत्व में धरना प्रदर्शन किया जायेगा.।उन्होंने बताया कि ह्झारखंड के तत्कालीन मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने ओबीसी आरक्षण को 27 प्रतिशत से घटाकर 14 प्रतिशत कर दिया था।वर्ष 2022 में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व वाली कांग्रेस और झामुमो गठबंधन सरकार द्वारा ओबीसी के आरक्षण को 14 से बढ़ाकर 27 प्रतिशत करने का विधेयक पारित करते हुए इस प्रस्ताव को राज्यपाल के पास भेजा था

जिसे राज्यपाल द्वारा वापिस भेज दिया गया जो आजतक ये विधेयक अधर में लटका हुआ है।वही कांग्रेस के पूर्व जिला अध्यक्ष अनुकूल चंद्र मिश्रा ने कहा कि कांग्रेस शुरू से ही ओबीसी को 27% आरक्षण देने की लड़ाई पुरजोर तरीके से लड़ती रही है।उन्होंने कहा की कांग्रेस कई बार सड़क से लेकर सदन तक ओबीसी के अधिकार के लिए आवाज उठाते रहे हैं।पिछड़े वर्ग के लोगों में अपने आरक्षण में कटौती को लेकर काफी आक्रोश है।कांग्रेस ओबीसी विभाग के कार्यकर्ता साहेबगंज जिला के हर मुहल्ले में जाकर पिछड़े वर्ग पर हो रहे इस अन्याय के खिलाफ 6 अगस्त को रांची में होने वाले धरना प्रदर्शन में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं।वही जिला उपाध्यक्ष मो कलीमुद्दीन ने कहा कि पिछड़े वर्ग के हजारों लोग रांची धरना प्रदर्शन में शामिल होकर 27% आरक्षण के अपने अधिकार के लिए आवाज उठाएंगे।कांग्रेस इस धरना प्रदर्शन के माध्यम से भारतीय जनता पार्टी का ओबीसी विरोधी चरित्र और चेहरा को जनता के सामने उजागर करेगी।जबतक ओबीसी को झारखण्ड में अन्य राज्यों की तरह 27% आरक्षण नहीं मिलता है कांग्रेस अपना संघर्ष सड़क से लेकर सदन तक जारी रखेगी।प्रेस कॉन्फ्रेंस में पूर्व जिला अध्यक्ष एवं प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य अनुकूल मिश्रा, जिला उपाध्यक्ष मो कालीमुद्दीन,जिला महासचिव सरफराज आलम,जिला सचिव सुनील पासवान,अली कुरैशी एवं अन्य कांग्रेसजन शामिल थे।

किआरा आडवाणी के जन्मदिन पर रिलीज हुआ वॉर 2 का पहला गाना आवां जावां

बॉलीवुड अभिनेत्री किआरा आडवाणी के जन्मदिन पर फिल्म वॉर 2 का पहला गाना आवां जावां रिलीज किया गया है। अयान मुखर्जी के निर्देशन में बन रही फिल्म वॉर 2 का पहला गाना आवां जावां रिलीज हो गया है। यह गाना ऋतिक रोशन और कियारा आडवाणी पर फिल्माया गया है। इस गाने में जहां ऋतिक रोशन अपने सिग्नेचर चार्म में नजर आ रहे हैं, वहीं कियारा आडवाणी अपनी बेमिसाल खूबसूरती, एलिगेंस और स्क्रीन प्रेजेंस से हर फ्रेम में छा जाती हैं। यह गाना ग्लैमर, रोमांस और हाई-वोल्टेज आकर्षण का परफेक्ट मेल पेश करता है।

ऋतिक रोशन और कियारा आडवाणी की इस शानदार जोड़ी में आवां जावां एक विजुअल ट्रीट बन जाता है। आवां जावां को कियारा आडवाणी के जन्मदिन पर लॉन्च करके, मेकर्स ने उनकी किरदार काव्या को हाइलाइट किया है, जो ऋतिक के आइकॉनिक किरदार कबीर के अपोज़िट नजर आएंगी। यशराज फिल्मस के बैनर तले बन रही फिल्म वॉर 2, 14 अगस्त को हिंदी, तेलुगु और तमिल में दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। इस फिल्म में ऋतिक रोशन, एनटीआर जूनियर और कियारा आडवाणी की मुख्य भूमिका है।

सैयारा 100 साल में सबसे ज्यादा कमाई वाली रोमांटिक फिल्म

सैयारा रिलीज के 14वें दिन बॉलीवुड की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली रोमांटिक फिल्मों की लिस्ट में नंबर वन बन चुकी है। उसने 2019 में आई शाहिद कपूर की कबीर सिंह का रिकॉर्ड तोड़ा। फिल्म क्रिटिक तरण आदर्श ने फिल्म की कमाई से जुड़े 13 दिन के जो आंकड़े पोस्ट किए हैं, उसके मुताबिक, फिल्म ने 278.75 करोड़ कमा लिए थे। 13वें दिन फिल्म की कमाई आठ करोड़ रुपए रही। 14वें दिन यानी गुरुवार शाम तक ये कमाई 2.51 करोड़ रुपए हो चुकी है। फिल्म की टोटल कमाई 281.26 करोड़ रुपए हो चुकी है।

साल 2019 में आई शाहिद की कबीर सिंह बॉलीवुड की अब तक की सबसे बड़ी कमाई वाली रोमांटिक फिल्म थी। इसने वर्ल्डवाइड 377 करोड़ और इंडिया में सैक्निल्क के मुताबिक 278.8 करोड़ रुपए का बिजनेस किया था। वहीं, सैयारा ने 12वें दिन में वर्ल्डवाइड 413.75 करोड़ रुपए का बिजनेस कर लिया। वहीं, इंडिया में सैक्निल्क के मुताबिक, 280.75 करोड़ रुपए का बिजनेस किया।

श्रेया घोषाल के साथ पार्श्वगायन करेंगी नोरा फतेही

बॉलीवुड स्टार नोरा फतेही, जानीमानी गायिका श्रेया घोषाल के साथ पार्श्वगायन करती नजर आएंगी। पेपीटा, डर्टी लिटिल सीक्रेट और जेसन डेरुलो के साथ वायरल वोकल ट्रैक स्नेक जैसे ग्लोबल हिट देने के बाद, नोरा फतेही अब अपने संगीत सफर के एक नए अध्याय में कदम रख रही हैं। इस बार, वह केवल परफॉर्म ही नहीं कर रहीं बल्कि भारत की सुरों की रानी श्रेया घोषाल के साथ गा भी रही हैं। टी-सीरीज के बैनर तले बना यह रोमांचक वोकल सहयोग पहले से ही दुनियाभर में चर्चा में है। इस दुर्लभ और शक्तिशाली जोड़ी में, नोरा अपनी अनोखी आवाज के साथ माइक पर नजर आती हैं और श्रेया के दिल छू लेने वाले सुरों के साथ जुड़ती हैं। अपनी करिश्माई ऑन-स्क्रीन मौजूदगी के लिए जानी जाने वाली नोरा यह साबित कर रही हैं कि वह माइक के पीछे भी उतनी ही प्रभावशाली हैं, खासकर तब जब वे भारत की सबसे प्रतिष्ठित आवाजों में से एक के साथ खड़ी हैं। नोरा और श्रेया, दोनों की आवाजों के मेल से बना यह गीत सिर्फ एक सहयोग नहीं बल्कि एक कलात्मक समन्वय है।

आध्याश्री को शिल्पा शेट्टी ने कहा- छोटी गोविंदा, एक्सप्रेशन की दुकान

सुपर डांसर चैप्टर 5 इस बार खूब चर्चा में है क्योंकि इसमें इंटरनेट सेंसेशन और टैलेंटेड बच्चों को एक साथ देखने को मिल रहा है। इन्हीं में से एक हैं आध्याश्री, जिनकी एक के बाद एक परफॉर्मेंस सबका ध्यान खींच रही है। आने वाले एपिसोड में आध्याश्री ह्यघूमरह्ल पर परफॉर्म करती नजर आएंगी और उनकी यह परफॉर्मेंस डांस रियलिटी शोज के लिए एक नया बेंचमार्क बनती दिख रही है। पहली बीट के साथ ही आध्याश्री की खुशबूरत घूमर, बिल्कुल सही टाइमिंग और सबसे खास, उनके दमदार एक्सप्रेशन्स इस परफॉर्मेंस को यादगार बना देते हैं। जज इतने ज्यादा इम्प्रेस हो जाते हैं कि खड़े होकर तालियां बजाते हैं! गर्व और खुशी से भरा वो पल और भी खास हो जाता है जब आध्याश्री मंच से उतरकर जजों के पास जाती हैं और उनके पैर छूकर आशीर्वाद लेती हैं।

इंडिया बनाम इंग्लैंड पांचवा टेस्अ मैच : करुण नायर और सुंदर ने भारत को संभाला

लंदन /एजेंसी: करुण नायर (नाबाद 52) के साहसिक अर्धशतक और उनकी पिछले मैच के शतकधारी वाशिंगटन सुंदर के साथ सातवें विकेट के लिए 88 गेंदों में 51 रन की अविजित साझेदारी की बदौलत भारत ने इंग्लैंड के खिलाफ पांचवें और अंतिम टेस्ट के वर्षा प्रभावित पहले दिन गुरूवार को संकट से उबरते हुए स्टंप्स तक छह विकेट पर 204 रन बना लिए। नायर का सीरीज का यह पहला अर्धशतक है। इंग्लैंड के खिलाफ दिसंबर 2016 में घरेलू मैदान में तिहरा शतक बनाने के बाद यह उनका सर्वाधिक स्कोर है। उन्हें सुंदर से अच्छा साथ मिला जिन्होंने 39 गेंदों में नाबाद 19 रन बना लिए हैं। बारिश की बाधा के कारण खेल का समय बढ़ाया गया लेकिन नायर और सुंदर ने दृढ़ संकल्प के साथ खेलते हुए इस समय को सुरक्षित निकाल लिया। स्टंप्स के समय नायर 98 गेंदों में सात चौकों की मदद से 52 और सुंदर 45 गेंदों में दो चौकों के सहारे 19 रन बनाकर क्रीज पर हैं।

वीर पहाड़िया के नाम हुआ तारा सुतारिया का दिल! एक्टर संग कंफर्म किया रिश्ता

एक्ट्रेस तारा सुतारिया का नाम लंबे समय से एक्टर वीर पहाड़िया संग जुड़ रहा है। दोनों को पिछले काफी समय से एक साथ स्पॉट किया जा रहा था पर उन्होंने अपने रिलेशनशिप पर कुछ नहीं कहा। लेकिन अब तारा सुतारिया ने वीर पहाड़िया संग अपना रिलेशनशिप कन्फर्म कर दिया है। जी हां, एक पॉडकास्ट में रिलेशनशिप पर पूछे गए सवाल को सुनकर तारा सुतारिया शरमा गईं।

रणवीर अल्लाहबादिया ने पॉडकास्ट में तारा से जब उनका रिलेशनशिप स्टेटस पूछा गया तो वह शरमा गईं। तारा ने वैसे तो कहीं भी वीर पहाड़िया का नाम नहीं लिया पर उनके और एक्ट्रेस के एक साथ अपीयरेंस की झलक जरूर दिखाई गई। उन्हें देख तारा सुतारिया के एक्सप्रेशन से साफ झलक रहा था कि वह वीर के साथ रिश्ते में हैं। तारा सुतारिया बोलीं- 'मैं अभी बहुत खुश हूं। खुशी से फूली नहीं समा रही हूं।'

जब उनसे पूछा गया कि क्या वह और उनके पार्टनर कभी साथ में चांद को देखते हैं, तो उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा- 'हां, यह वाकई एक मजेदार अनुभव है। चौदहवीं के चांद जैसा एहसास।'

तारा सुतारिया शादी के बारे में बोलीं- 'मैं इस मामले में लकी हूं, क्योंकि अगर मुझे प्यार से उतना प्यार नहीं होता जितना मुझे है और था, और हमेशा रहेगा, तो मेरा मतलब है, जो भी इसे उतना ही प्यार करता है जितना मुझे है, वह एक अच्छा पार्टनर होगा क्योंकि आप इसे सबसे ऊपर रखते हैं। मेरे लिए यह सबसे महत्वपूर्ण बात है।'

तारा सुतारिया और वीर पहाड़िया के रिलेशनशिप की खबरें पिछले काफी समय से आ रही हैं। कुछ समय पहले जब तारा सुतारिया ने एक फैशन शो में रैंपवॉक के वक्त वीर पहाड़िया को फ्लाइंग किस किया था जिसका वीडियो तुरंत ही वायरल हो गया था।

तारा सुतारिया और वीर पहाड़िया के रिलेशनशिप की खबरें पिछले काफी समय से आ रही हैं। कुछ समय पहले जब तारा सुतारिया ने एक फैशन शो में रैंपवॉक के वक्त वीर पहाड़िया को फ्लाइंग किस किया था जिसका वीडियो तुरंत ही वायरल हो गया था।

तारा सुतारिया पहले आदर जैन को डेट कर रही थीं, और दोनों ने अपने रिलेशनशिप को ऑफिशियल भी कर दिया था। रिपोर्ट्स के मुताबिक, उनकी शादी भी होने वाली थी, पर आदर जैन ने तारा सुतारिया से ब्रेकअप कर लिया था। आदर जैन ने अलेखा आडवाणी से शादी कर ली थी।

सिंदूर तो उजड़ गया फिर..'ऑपरेशन सिंदूर' पर टिप्पणी कर बुरी फंसी जया, यूजर्स बोले-

तेरा पति तो जिंदा, फिर तू सिंदूर क्यों नहीं लगाती?

बॉलीवुड की दिग्गज एक्ट्रेस और समाजवादी पार्टी की सांसद जया बच्चन ने हाल ही में संसद में ऑपरेशन सिंदूर' को लेकर केंद्र सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा था कि जब औरतों का सिंदूर ही उजड़ गया तो इस ऑपरेशन का नाम सिंदूर क्यों रखा। उनके इस बयान का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया और इसके चलते उन्हें तीखी आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा है।

'ऑपरेशन सिंदूर' नाम पर जताई आपत्तिः संसद में चर्चा के दौरान जया बच्चन ने कहा था-, 'जब महिलाओं का सिंदूर उजड़ गया, जब जवान शहीद हो गए, तब इस ऑपरेशन का नाम 'सिंदूर' क्यों रखा गया? पहलगाम आतंकी हमले का ज़िक्र करते हुए उन्होंने कहा कि इस हमले में 26 लोगों की जान चली गई, जबकि सरकार ने पहले आतंकवाद को जड़ से खत्म करने का वादा किया था। उन्होंने पूछा, 'आखिर आतंकवाद से निपटने के लिए अब तक क्या ठोस कदम उठाए गए हैं?'

जया बच्चन के इस पूरे घटनाक्रम का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया। नेटिजन्स उनकी टिप्पणियों और व्यवहार को लेकर उन्हें जमकर ट्रोल करना शुरू कर दिया। कई यूजर्स ने उनके सिंदूर वाले बयान पर तंज कसते हुए टिप्पणियां भी कीं।

एक यूजर ने लिखा, आज पता चला कि अमिताभ के पास सिंदूर नहीं है।

वहीं एक अन्य ने टिप्पणी की, तेरा पति तो जिंदा है, फिर तू सिंदूर क्यों नहीं लगाती? यहां तक कि एक यूजर ने रेखा का जिक्र करते हुए कहा, इनकी जगह रेखा जी को होना चाहिए था।

ओलंपिक 2028 से बाहर हो सकते हैं पाक-न्यूजीलैंड

एजेंसी/दुबईः लॉस एंजेलस ओलंपिक 2028 में पूर्व टी-20 वर्ल्ड चैंपियन पाकिस्तान और न्यूजीलैंड की पुरुष टीमें टूर्नामेंट से बाहर हो सकती हैं। इसका मुख्य कारण इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल द्वारा ओलंपिक क्वॉलिफिकेशन के लिए निर्धारित क्षेत्रीय योग्यता प्रणाली है। 128 साल बाद 2028 ओलंपिक में क्रिकेट की वापसी हो रही है, जिसमें मेन्स और वूमन्स टीमें टी-20 फॉर्मेट में हिस्सा लेंगी। इसमें 6-6 टीमें हिस्सा लेंगी।

रिपोर्ट के अनुसार, आईसीसी ने ओलंपिक के लिए क्षेत्रीय योग्यता प्रणाली लागू करने का फैसला किया है। इसके तहत एशिया, ओशिनिया, यूरोप और अफ्रीका की टॉप रैंक वाली टीमें क्वॉलिफाई करेंगी। मेजबान देश होने के नाते अमरीका को भी सीधा प्रवेश मिलेगा।

धोनी नंबर वन, रोहित को दूसरा स्थान रायुडू ने भारतीय कप्तानों को दी रैंकिंग

नई दिल्लीः पूर्व भारतीय क्रिकेटर अंबाती रायुडू ने हाल ही में भारतीय कप्तानों की ब्लाइंड रैंकिंग की है। ब्लाइंड रैंकिंग का मतलब यह है कि रायुडू को बिना अगला नाम जाने कप्तानों को अपने हिसाब से रैंकिंग देनी थी। कप्तानों की इस रैंकिंग में अंबाती रायुडू ने विराट कोहली को नंबर-5 पर रखा है, वहीं एमएस धोनी और रोहित शर्मा को टॉप-2 में जगह दी है। कोहली, धोनी और रोहित के अलावा लिस्ट में सौरव गांगुली, कपिल देव और मोहम्मद अजहरुद्दीन जैसे दिग्गज कप्तानों के भी नाम थे। कप्तानों की इस

ब्लाइंड रैंकिंग में अंबाती रायुडू को सबसे पहला नाम सौरव गांगुली का दिया गया। उन्होंने काफी सोच विचार करके दादा को नंबर-3 पर रखा। इसके बाद उन्होंने कपिल देव को चौथे नंबर पर जगह दी।

रोहित शर्मा को दूसरे नंबर पर जगह दी। इसके बाद जब विराट कोहली का नाम आया, तो रायुडू थोड़ा सीरियस हो गए। उन्होंने कहा कि यह निर्भर करता है कि हम किस फॉर्मेट के लिए उन्हें रैंकिंग दे रहे हैं। अगर यह सिर्फ टेस्ट के लिए है, तो मैं उन्हें टॉप-2 में रखता। ऑवरऑल मैं उन्हें नंबर-5 पर रखूंगा। रायुडू ने मोहम्मद अजहरुद्दीन को नंबर-6 पर रखा, जिसके बाद नंबर-1 की ही जगह खाली रह गई थी। यह जगह उन्होंने एमएस धोनी के लिए ही खाली रखी थी।

न्यूज ब्रीफ

अमेरिका ने छह भारतीय कंपनियों पर लगाया बैन

एजेंसी/ वाशिंगटनः अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान से प्रतिबंधित रसायन और पेट्रोकेमिकल उत्पादों की खरीद करने वाली छह भारतीय कंपनियों सहित कुल 24 कंपनियों पर प्रतिबंध लगा दिया है। इनमें भारत के अलावा चीन की सात, यूएई की छह, हांगकांग की तीन तथा तुर्किये और रूस की एक-एक कंपनी भी शामिल हैं। अमरीकी विदेश मंत्रालय ने इन प्रतिबंधों की घोषणा की। अमेरिका ने जिन भारतीय कंपनियों को बैन किया है, उनमें अलकेमिकल सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड, ग्लोबल इंडस्ट्रियल केमिकल्स लिमिटेड, ज्यूपिटर डाई केम प्राइवेट लिमिटेड, रमणिकलाल एस. गोसालिया एंड कंपनी, पर्सिस्टेंट पेट्रोकेम प्राइवेट लिमिटेड और कंचन पॉलिमर्स शामिल हैं। मंत्रालय का कहना है कि इन कंपनियों ने 2024 में ईरानी मूल के 1000 करोड़ रुपए से ज्यादा के उत्पाद यूएई के रास्ते मंगवाए। ईरान इस पैसे न्यूक्लियर प्रोग्राम बढ़ा रहा है और आतंकी फंडिंग कर रहा है।

मंत्रालय ने इसे अमेरिकी प्रतिबंधों का उल्लंघन बताया है। ईरान पर 2018 से प्रतिबंध है। जानकारों का मानना है कि ये प्रतिबंध ईरान पर अमरीका की मेक्सिम प्रेशर की नीति का हिस्सा हैं। अमरीका का दावा है कि ईरान अपने तेल और पेट्रोकेमिकल उत्पादों की बिक्री से जो आमदनी करता है, उसका इस्तेमाल मध्य पूर्व में अस्थिरता फैलाने और आतंकी संगठनों को समर्थन देने में करता है। अमेरिकी ने कहा है कि प्रतिबंधों का मकसद सजा देना नहीं, बल्कि व्यवहार में बदलाव लाना है। प्रतिबंधित कंपनियां अगर चाहें, तो अमेरिकी ट्रेजरी विभाग से प्रतिबंध हटाने की अर्जी दे सकती हैं।

कबूतरों को दाना डाला, तो एफआईआर, बॉम्बे हाई कोर्ट का अहम फैसला, कहा, जन स्वास्थ्य के लिए बना खतरा

मुंबईः बाम्बे हाई कोर्ट ने सार्वजनिक स्थानों पर कबूतरों को दाना डालने पर रोक लगा दी है। अदालत ने इस फैसले को लेकर कहा कि ऐसा करने से सार्वजनिक परेशानी और जन स्वास्थ्य के लिए खतरा बना रहता है। इसके साथ ही कोर्ट ने नगर निगम को आदेश दिया कि जो लोग सार्वजनिक जगहों पर दाना डालते हैं, उनके खिलाफ केस दर्ज किया जाए। कोर्ट ने इससे पहले कबूतरखानों को गिराने पर रोक लगाई थी, पर दाना डालने की अनुमति नहीं दी। अदालत के आदेश की अवहेलना करने वालों पर कार्रवाई होगी। कोर्ट ने कहा कि कबूतरों के झुंड को दाना डालना सार्वजनिक परेशानी उत्पन्न करने वाला काम है। इससे लोगों के स्वास्थ्य को भी खतरा है। ऐसा करने से लोगों को कई अन्य तरह की बीमारियों का सामना भी करना पड़ता है।अदालत ने फैसला सुनाते हुए कहा कि मुंबई नगर निगम को ऐसी गतिविधियों में शामिल लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने का निर्देश दिया। जस्टिस जीएस कुलकर्णी और जस्टिस आरिफ डाक्टर की पीठ ने पशु प्रेमियों के एक समूह की तरफ से दायर की गई याचिका पर फैसला सुनाया है। कोर्ट ने सुनवाई करते हुए कहा कि यह मुद्दा जनस्वास्थ्य से जुड़ा है और सभी उम्र के लोगों के स्वास्थ्य के लिए गंभीर व संभावित खतरा है। कोर्ट ने इस महीने की शुरूआत में बृहन्मुंबई महानगरपालिका को महानगर में किसी भी पुराने कबूतरखाने (कबूतरों को दाना डालने के स्नान) को गिराने से रोक दिया था, लेकिन कहा था कि वह इन पक्षियों के लिए दाना डालने की अनुमति नहीं दे सकती है। आदेश की अवहेलना अब पड़ेगी भारीः अदालत ने कहा कि अनुमति न मिलने के बावजूद लोग इन कबूतरखानों में कबूतरों को दाना डालना जारी रखे हुए हैं। पीठ ने कहा, यह स्थिति अब कानून की घोर अवहेलना की उभरती स्थिति से और भी जटिल हो गई है, क्योंकि हमारे पहले के आदेश में कबूतरों को दाना डालने व उनके जमावड़े का समर्थन करने वाली याचिकाओं को खारिज कर दिया गया था। कोर्ट ने बीएमसी को निदेर्शों की अवहेलना कर कबूतरों को दाना डालने वालों को दंडित करने का निर्देश दिया है।

तेज रफ्तार अनियंत्रित ट्रक ने मोटरसाइकिल में मारी टक्कर, दो युवकों की मौत

पटना : जिले में गुरूवार देर रात एक भीषण सड़क हादसा हुआ । इस दर्दनाक हादसे में दो युवकों की मौत हो गई। काम से घर लौट रहे थे दोनों युवक : मिली जानकारी के अनुसार, घटना पटना के बाईपास थाना क्षेत्र के अंतर्गत छोटी पहाड़ी एनएच-30 के समीप की है। मृतक युवकों की पहचान 40 वर्षीय मुकेश कुमार और 25 वर्षीय छोटू कुमार के रूप में हुई है। घटना के संबंध में बताया जा रहा है कि दोनों युवक बाइक पर सवार होकर काम से वापस घर लौट रहे थे। इस दौरान रास्ते में एक तेज रफ्तार अनियंत्रित ट्रक ने मोटरसाइकिल में टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक पर सवार दोनों युवकों ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। वहीं हादसे के बाद ट्रक ड्राइवर वाहन छोड़ मौके से फरार हो गया। इस घटना के बाद मृतकों के परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। इधर घटना की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है। इस मामले में पुलिस ने संबंधित थाना में प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। फिलहाल पुलिस वाहन चालक की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है। हादसे की छानबीन जारी है।

मालेगांव ब्लास्ट प्रकरण

सभी सातों आरोपियों को क्लीन चिट मिलने पर बवाल, विपक्ष ने उठाए सवाल

भाजपा ने किया फैसले का स्वागत, विपक्ष ने उठाए सवाल

नई दिल्लीः महाराष्ट्र की एक विशेष अदालत ने मालेगांव में 2008 के बम विस्फोट मामले में सभी सातों आरोपियों को बरी कर दिया। इस फैसले के बाद सैफ्रॉन टेरर या भगवा आतंकवाद शब्द के इस्तेमाल पर एक बार फिर बहस तेज हो गई है। इस मामले में सत्तापक्ष और विपक्ष दोनों की प्रतिक्रियाएं सामने आई। भाजपा के नेताओं ने इस फैसले का स्वागत करते हुए कहा है कि हिंदू कभी आतंकवादी नहीं हो सकता। वहीं विपक्ष ने फैसले को निराशाजनक बताया है। कांग्रेस का कहना है कि जांच कमजोर

की गई और एनआईए की भूमिका पर सवाल खड़े किए गए हैं। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि आतंकवादी न कभी भगवा था, न है और न कभी होगा। कांग्रेस सांसद दिग्विजय सिंह ने कहा कि आतंकवाद को किसी धर्म से नहीं जोड़ना चाहिए। आतंक का कोई धर्म नहीं होता। हिंदू आतंकवाद या इस्लामी आतंकवाद जैसी कोई चीज नहीं है।

हर धर्म प्रेम, सद्भाव, सत्य और अहिंसा का प्रतीक है। भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद ने कहा कि आज का दिन ऐतिहासिक है। कांग्रेस के हिंदू आतंकवाद का षड्यंत्र आज धाराशायी हो गया। किसी भी आरोपी के खिलाफ कोई सबूत नहीं था। भाजपा इस फैसले का स्वागत करती है। एआईएमआईएम सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने केंद्र और महाराष्ट्र सरकार से सवाल किया कि क्या वे इस फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देंगे या नहीं? समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने कहा कि जो बात आप (मीडिया) समझ रहे हो वही मैं समझ रहा हूं। जो आप कहना नहीं चाहते वे मैं नहीं कह रहा। कहीं ऐसा तो नहीं कि खबरें दबाने के लिए खबर आ रही हो?

मोदी कैबिनेट के छह अहम फैसले

एनसीडीसी-कृषि संपदा योजना का बजट बढ़ा, रेलवे को मिलीं एक नहीं चार सौगातें

नई दिल्लीः प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में गुरुवार को कैबिनेट बैठक हुई। कैबिनेट की बैठक के दौरान कई बड़े फैसले लिए गए। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि मोदी कैबिनेट की बैठक में छह अहम फैसले लिए गए हैं। इनमें दो किसानों और फूड सेक्टर से जुड़े हैं। वहीं चार फैसले नॉर्थ-ईस्टर्न सेक्टर में रेलवे नेटवर्क को मजबूत बनाने के लिए हैं। अश्विनी वैष्णव ने बताया कि प्रधानमंत्री किसान संपदा योजना (पीएमकेएसवाई) का बजट 1,920 करोड़ रुपए बढ़ाकर 6520 रुपए कर दिया गया है। इसमें लैब और इंफ्रा सुविधा बढ़ाने के लिए 1000 करोड़ रुपए की अतिरिक्त मदद पर भी सहमति जताई गई। इससे किसानों को फूड प्रोसेसिंग में फायदा मिलेगा। वहीं, पीएमकेएसवाई को 4,600 करोड़ रुपए के आबंटन के साथ चालू वित्त वर्ष 2025-26 के अंत तक

एक और वर्ष के लिए बढ़ा दिया गया है। नेशनल कोऑपरेटिव डिवेलपमेंट कॉरपोरेशन (एनसीडीसी) के लिए 2,000 करोड़ रुपए दिए गए हैं। इससे सहकारी समितियों (कोऑपरेटिव सोसाइटीज) को मजबूत किया जाएगा। इसके अलावा, चार रेलवे लाइनों के लिए 11,168 करोड़ रुपए की मंजूरी दी गई है। इसमें इटारसी से नागपुर चौथी रेल लाइन के लिए 5,451 करोड़ रुपए दिए गए हैं। वहीं, अलुआबाड़ी रोड से न्यू जलपाईगुड़ी रेलवे लाइन के लिए 1,786 करोड़, छत्रपति संभाजीनगर-परभानी रेलवे लाइन दोहरीकरण के लिए 2,179 करोड़ और डंगोआपोसी-करौली रेलवे लाइन के लिए 1,752 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। मोदी कैबिनेट ने नेशनल कोऑपरेटिव डिवेलपमेंट कॉरपोरेशन (एनसीडीसी) को 2000 करोड़ रुपए की ग्रांट-इन-एड को मंजूरी दी। यह राशि चार सालों (2025-26 से 2028-29 तक) में हर साल 500 करोड़ रूपए की दर से दी जाएगी। यह फंड सहकारी संस्थाओं को नए प्रोजेक्ट शुरू करने, प्लांट का विस्तार करने और कार्यशील पूंजी (वर्किंग कैपिटल) की जरूरतों को पूरा करने के लिए लोन देने में इस्तेमाल किया जाएगा। ये लोन करीब 8.25 लाख सहकारी समितियों को जाते हैं, जिनमें 29 करोड़ सदस्य हैं। 94 फीसदी किसान इससे जुड़े हैं। ये संस्थाएं डेयरी, पशुपालन, मत्स्य पालन, चीनी, वस्त्र, खाद्य प्रसंस्करण, भंडारण, कोल्ड स्टोरेज, श्रमिक और महिला सहकारी क्षेत्रों में काम कर रही हैं।

ईडी के समन के बाद अनिल अंबानी पर फर्जी बैंक गारंटी केस में भी एक्शन, ओडिशा-बंगाल में छापेमारी

नई दिल्लीः रिलायंस ग्रुप के चेयरमैन अनिल अंबानी की परेशानियां और बढ़ गई हैं। 17,000 करोड़ के लोन फ्रॉड केस की जांच के बीच प्रवर्तन निदेशालय (एऊ) ने अब 68 करोड़ की फर्जी बैंक गारंटी मामले में जांच तेज कर दी है। इसी सिलसिले में शुक्रवार को ईडी ने ओडिशा और कोलकाता में कई स्थानों पर छापेमारी की। ईडी ने यह कार्रवाई दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा द्वारा 11 नवंबर 2024 को दर्ज मामले के आधार पर दर्ज की गई ईसीआईआर के तहत की। एजेंसी का आरोप है कि अनिल अंबानी की कंपनियों को एक फर्जी बैंक गारंटी के आधार पर ठेका दिया गया था। ओडिशा स्थित मेसर्स बिस्वाल ट्रेडलिंक प्राइवेट लिमिटेड और इसके निदेशकों पर फर्जी बैंक गारंटी जारी करने और 8% कमीशन पर सौदे करने का आरोप है। ईडी ने इस फर्म और इसके सहयोगियों के परिसरों में तलाशी के दौरान कई अघोषित बैंक खातों और करोड़ों रुपये के संदिग्ध लेनदेन का पता लगाया है।

ईडी ने खुलासा किया है कि 68.2 करोड़ की यह फर्जी बैंक गारंटी रिलायंस एनयू बेस लिमिटेड और महाराष्ट्र एनर्जी जनरेशन लिमिटेड के नाम पर जारी की गई थी, जो दोनों अनिल अंबानी समूह से जुड़ी हैं।

एजेंसी ने नेशनल इंटरनेट एक्सचेंज ऑफ इंडिया से इस डोमेन का पंजीकरण विवरण भी मांगा है। जांच में यह भी सामने आया है कि संबंधित कंपनियां केवल कागजों पर ही मौजूद हैं और उनके पते पर कोई वैधानिक गतिविधि नहीं पाई गई।

इसके अलावा, टेलीग्राम ऐप पर डिसअपीयरिंग मैसेज फीचर का उपयोग कर की गई बातचीत भी सामने आई है, जो कथित रूप से सबूत मिटाने के प्रयास की ओर इशारा करती है। गौरतलब है कि इससे पहले ईडी ने अनिल अंबानी को 5 अगस्त को पूछताछ के लिए दिल्ली कार्यालय में पेश होने का समन भी जारी किया है।

टैरिफ की चिंताओं के बीच लाल निशान पर खुला शेयर बाजार, सेंसेक्स और निफ्टी लुढ़के

मुंबई : अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर भारत पर लगाए टैरिफ की चिंताओं की वजह से घरेलू शेयर बाजार में गिरावट जारी है। अमेरिका की ओर से टैरिफ लागू होने की तारीख को एक हफ्ते आगे बढ़ाने के बाद शुक्रवार को शेयर बाजार लाल निशान पर खुला। शुरूआती कारोबार में सेंसेक्स 111.17 अंक गिरकर 81,074.41 पर आ गया, जबकि निफ्टी 33.45 अंक गिरकर 24,734.90 पर पहुंचा। ऐसे ही अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 12 पैसे बढ़कर 87.53 पर खुला।

टैरिफ संबंधी चिंताओं और विदेशी फंडों की निरंतर निकासी के बीच शुक्रवार को शुरूआती कारोबार में शेयर बाजार के बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में गिरावट दिखी। शुरूआती कारोबार में 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 111.17 अंक गिरकर 81,074.41 अंक पर आ गया। 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 33.45 अंक गिरकर 24,734.90 अंक पर आ गया।

भारत पर लगने वाले 25% टैरिफ पर ट्रंप का कार्यकारी आदेश जारीः भारत को अमेरिका को अपने निर्यात पर 25 प्रतिशत टैरिफ चुकाना पड़ेगा। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने इस बारे में एक कार्यकारी आदेश जारी किया है जिसमें विभिन्न शुल्कों की सूची दी गई है जो वाशिंगटन दुनिया भर के देशों से निर्यात पर लगाएगा।

सन फार्मा के शेयरों में 5% से अधिक की गिरावटः अमेरिका के इस एलान के बाद सेंसेक्स की कंपनियों में सन फार्मा में 5 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई, क्योंकि 30 जून, 2025 को समाप्त पहली तिमाही के लिए कंपनी के समेकित शुद्ध लाभ में सालाना आधार पर करीब 2,279 करोड़ रुपये यानी लगभग 20 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई।

अमेरिका ने 70 देशों के लिए टैरिफ दरों की घोषणा कीः महिंद्रा एंड महिंद्रा, टाटा स्टील, टाटा मोटर्स, इंफोसिस और लार्सन एंड टुब्रो भी पिछड़ने वालों में शामिल रहे। हिंदुस्तान यूनिलीवर, आईटीसी, एशियन पेंट्स और मारुति लाभ में रहे। 'पारस्परिक टैरिफ दरों में और संशोधन' शीर्षक वाले कार्यकारी आदेश में ट्रम्प ने लगभग 70 देशों के लिए टैरिफ दरों की घोषणा की।

अमेरिका की ओर से जारी सूची के अनुसार, भारत पर 25 प्रतिशत पारस्परिक टैरिफ, समायोजित लगाया गया है। हालांकि, कार्यकारी आदेश में उस जुर्माने का जिक्र नहीं है जो ट्रंप ने कहा था कि रूसी सैन्य उपकरण और ऊर्जा खरीदने के कारण भारत को चुकाना पड़ेगा।

एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने गुरुवार को 5,588.91 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर बेचे।

जुलाई में निफ्टी में 3.1 प्रतिशत की गिरावट के बाद अगस्त सीरीज की शुरूआत कमजोर रही है। निकट भविष्य में, बाजार टैरिफ से जुड़ी खबरों से प्रभावित होगा। चूँकि संशोधित टैरिफ दरों के लागू होने की तारीख 7 अगस्त है, इसलिए देशों को बातचीत करके टैरिफ कम करने का समय मिल गया है। ऐसा हो भी सकता है।

टैरिफ का असर बाजार के लिए अल्पकालिक मुद्दाः जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के मुख्य निवेश रणनीतिकार वीके विजयकुमार ने कहा, कल के बाजार के रुख से संकेत मिलता है कि बाजार 25 प्रतिशत टैरिफ को एक अल्पकालिक मुद्दा मानता है। इस महीने शुरू होने वाली अगले दौर की बातचीत के बाद टैरिफ में कमी आने की संभावना है। उन्होंने कहा कि एफआईआई द्वारा लगातार बिकवाली जारी रहना नकारात्मक है। एशियाई बाजारों में दक्षिण कोरिया का कोस्पी, जापान का निक्केई 225 सूचकांक, शंघाई का एसएसई कम्पोजिट सूचकांक और हांगकांग का हैंगसेंग गिरावट के साथ कारोबार कर रहे थे। गुरुवार को अमेरिकी बाजार नकारात्मक दायरे में बंद हुए।

मेहता इक्विटीज लिमिटेड के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (शोध) प्रशांत तापसे ने कहा, मुख्य बाधाओं में ट्रम्प द्वारा टैरिफ वृद्धि, फेड के आक्रामक संकेत, पहली तिमाही की कमजोर आय, एफआईआई की बिकवाली और बिगड़ती तकनीकी व्यवस्था शामिल हैं। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.97 प्रतिशत घटकर 72.53 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। गुरुवार को सेंसेक्स 296.28 अंक या 0.36 प्रतिशत गिरकर 81,185.58 पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी 86.70 अंक या 0.35 प्रतिशत गिरकर 24,768.35 पर बंद हुआ।

जनता को बेवकूफ बनाने के लिए बिहार आते हैं राहुल गांधी : प्रशांत किशोर

पटनाः जन सुराज पार्टी के सूत्रधार प्रशांत किशोर ने अपनी बिहार बदलाव यात्रा के दौरान मुजफ्फरपुर के सरैया में कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी लोगों को बेवकूफ बनाने के लिए बिहार आते हैं।

प्रशांत किशोर ने राहुल गांधी के आगामी बिहार दौरे और पदयात्रा पर टिप्पणी करते हुए कहा कि अब बिहार की जनता को देखना है कि वो चुनाव से पहले बिहार घूमने आ रहे हैं या उनकी मनसा बेवकूफ बनाकर वोट लेने की हैं। उन्होंने कहा कि जब बिहार के बेरोजगार बच्चे दर-दर भटक रहे थे, तब वो कहां थे, जब कोविड में लोग पैदल चलकर दिल्ली-मुंबई से बिहार आ रहे थे तब उन्होंने बिहार के लोगों की कितनी मदद की। जनसुराज के नेता ने कहा कि राहुल गांधी बताएं कि बिहार में शिक्षा के क्षेत्र में सुधार के लिए, बेरोजगारी हटाने के लिए उन्होंने कौन सा प्रयास किया। किशोर ने कहा कि पिछले 40-45 साल से बिहार में उन्हीं पार्टियों का राज रहा है जो वोट मांगने जनता के बीच उतर रही हैं। सभी राजनीतिक पार्टियों ने मिल कर बिहार को मजदूरों की फैक्ट्री बना दिया है। उन्होंने कहा कि इस बार लोग ऐसी पार्टियों के झांसे में नहीं आने वाले हैं और जनता जनसुराज के पक्ष में मतदान का मन बना चुकी है।

जगन्नाथ मंदिर की सुरक्षा में बड़ी सेंध, चश्मे में स्पाई कैमरा लगाकर अंदर घुसा युवक, मचा हड़कंप

पुरी : ओडिशा के विश्व प्रसिद्ध श्री जगन्नाथ मंदिर की सुरक्षा व्यवस्था में उस वक्त हड़कंप मच गया, जब एक युवक को अत्याधुनिक स्पाई कैमरे के साथ परिसर के अंदर से पकड़ा गया। यह सनसनीखेज मामला मंगलवार तड़के सामने आया, जिसने मंदिर की सुरक्षा और गोपनीयता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। सूत्रों के मुताबिक, गजपति नगर निवासी अभिषित कर नामक युवक एक आम श्रद्धालु की तरह मंदिर में दाखिल हुआ। उसने अपनी नजर के चश्मे पर एक बेहद छोटा जासूसी कैमरा फिट कर रखा था। यह डिवाइस इतनी उन्नत थी कि इससे ली गई तस्वीरें और वीडियो सीधे रियल टाइम में उसके मोबाइल फोन पर भेजी जा सकती थीं। मंदिर के सिंहद्वार (मुख्य द्वार) के पास तैनात सुरक्षाकर्मियों को युवक की हरकतें कुछ संदिग्ध लगीं। उन्होंने उसे रोककर जब कड़ाई से पूछताछ और जांच की, तो चश्मे में लगे स्पाई कैमरे का खुलासा हुआ। सुरक्षाकर्मियों ने तुरंत मंदिर की सशस्त्र सुरक्षा बल की मदद से युवक को हिरासत में ले लिया और आगे की कार्रवाई के लिए सिंहद्वार पुलिस स्टेशन को सौंप दिया। पुलिस ने युवक को गिरफ्तार कर लिया है और उससे पूछताछ कर रही है। पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि क्या युवक मंदिर के गर्भगृह या अन्य प्रतिबंधित क्षेत्रों की कोई तस्वीर या वीडियो रिकॉर्ड करने में कामयाब रहा है या नहीं। फिलहाल, युवक का मकसद क्या था और क्या इस साजिश में कोई और भी शामिल है, यह स्पष्ट नहीं हो पाया है।

दक्षिणी छोटानागपुर प्रमंडल स्तरीय कृषि यंत्र वितरण कार्यक्रम

3.30 करोड़ की परिसंपत्तियों का हुआ वितरण

गुमला : कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग, झारखंड सरकार द्वारा आज गुमला जिले के कार्तिक उरांव महाविद्यालय स्थित बहुउद्देशीय भवन में दक्षिणी छोटानागपुर प्रमंडल स्तरीय कृषि यंत्र वितरण कार्यक्रम का आयोजन भव्य रूप से सम्पन्न हुआ। इस कार्यक्रम की मुख्य अतिथि झारखंड सरकार की कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पा नेहा तिर्की रहीं।

कार्यक्रम का उद्घाटन दीप प्रज्वलन कर विधिपूर्वक किया गया। मंच पर आर.पी. सिंह, कार्यपालक निदेशक, खअटळळउ; अशोक सम्राट, निदेशक, भूमि संरक्षण निदेशालय, झारखंड; विधायक तोरपा सुदीप गुड़िया; कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष; जिला परिषद अध्यक्ष किरण माला बाड़ा; उपायुक्त प्रेरणा दीक्षित; उप विकास आयुक्त दिलेश्वर महत्तो; अपर समाहर्ता तथा अन्य पदाधिकारीगण व जनप्रतिनिधिगण मंचासीन रहे। कार्यक्रम में 1,800 से अधिक लाभुकों की उपस्थिति रही।

कार्यक्रम का संचालन एवं समन्वय जिला भूमि संरक्षण पदाधिकारी आशीष कुमार द्वारा किया गया, जिसमें कृषि, भूमि संरक्षण, पशुपालन, सहकारिता एवं अन्य विभागों की सक्रिय सहभागिता रही।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि झारखंड का प्रत्येक कोना मिट्टी, मेहनत और किसानी से जुड़ा है। सरकार की मंशा यह है कि किसान केवल उत्पादक न रहकर, तकनीकी ज्ञान और संसाधनों से लैस एक स्वावलंबी कृषक उद्यमी बने। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री ट्रैक्टर वितरण योजना एवं कृषि यंत्रीकरण योजना के माध्यम से महिलाओं, किसान समूहों और व्यक्तिगत किसानों को सीधे अनुदान आधारित परिसंपत्तियां उपलब्ध कराई जा रही हैं।

उन्होंने कहा कि उपकरणों की खरीद में किसान को स्वतंत्रता दी जाती है। कोई भी अधिकारी किसी विशेष ब्रांड के ट्रैक्टर या उपकरण हेतु दबाव नहीं बना सकता। ट्रैक्टर या अन्य यंत्र चयन करते समय लाभुक स्वयं निर्णय लेते हैं और भुगतान

बैंकिंग माध्यम से सीधे संबंधित कंपनियों को किया जाता है, जिससे प्रक्रिया पारदर्शी बनी रहे और किसानों को किसी प्रकार का धोखा न हो।

मंत्री ने ऑनलाइन फ्रॉड से सतर्क रहने की अपील करते हुए कहा कि किसान योजनाओं से जुड़ें, जानकारी प्राप्त करें और बिचौलियों से पूरी तरह बचें। उन्होंने बताया कि सोलर पंपसेट, जो सामान्यतः ₹1.5 लाख के होते हैं, उन्हें किसान मात्र ₹18 हजार में प्राप्त कर रहे हैं। यह न तो डीजल से चलता है और न ही पेट्रोल से, और महिलाएं भी इसे आसानी से संचालित कर सकती हैं। इस दौरान मंत्री ने कृषि संबंधित कई योजनाओं से लाभुकों को जागरूक किया। उन्होंने कहा कि सरकार योजनाएं दे रही है , आपके लाभ के लिए, आपको स्वयं को भी सभी योजनाओं के प्रति जागरूक रहने की आवश्यकता है। उन्होंने यह भी कहा कि किसी भी समस्या के लिए आप हमसे सीधे संपर्क आवश्यक करें हम सभी आपके सहयोग के लिए उपलब्ध रहेंगे।

कार्यक्रम के अंत में मंत्री द्वारा स्वयं ट्रैक्टर चलाकर यह सशक्त संदेश दिया गया कि महिलाएं अब खेती से लेकर मशीन संचालन तक हर क्षेत्र में दक्षता के साथ आगे आ रही हैं। उन्होंने महिला कृषकों को आत्मनिर्भर एवं उन्नत किसान बनने की प्रेरणा दी।

इस अवसर पर कार्यपालक निदेशक आर.पी. सिंह ने कहा कि राज्य में कृषि तकनीक में परिवर्तन लाया जा रहा है और आधुनिक यंत्रों के माध्यम से छोटे और मध्यम किसानों को सशक्त बनाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम के अंतर्गत 80 से 90 प्रतिशत अनुदान पर यंत्रों का वितरण किया जा रहा है, जिसमें विशेष रूप से महिला किसानों की भागीदारी बढ़ी है। उन्होंने पारंपरिक खेती से हटकर वैज्ञानिक दृष्टिकोण से खेती करने का आह्वान किया।

विधायक सुदीप गुड़िया ने अपने संबोधन में कहा कि खेती अब विज्ञान आधारित हो गई है और राज्य सरकार द्वारा दी जा रही अनुदान सहायता किसानों के लिए सशक्तिकरण का माध्यम बन रही है।

पति की सकुशल वापसी की उम्मीद में डीआईजी से मिलकर लगाई गुहार

बिनय मिश्रा

मेदिनीनगर: पलामू रेंज के डीआईजी नौशाद आलम से बुधवार को एक महिला ने मिलकर अपने लापता पति की सकुशल वापसी की प्रार्थना की। पीड़िता सोनी देवी, ग्राम नवाजयपुर, जिला पलामू की निवासी हैं।

सोनी देवी ने बताया कि उनके पति, विरेंद्र भुइंया को पांच वर्ष पहले गांव के वीरेन साव नामक व्यक्ति ने यह कहकर केरल ले गया था कि वहां उन्हें टावर में काम दिलवाया जाएगा। लेकिन उसके बाद से आज तक उनके पति का कोई सुराग नहीं मिला है।

महिला ने आगे बताया कि उसने इस मामले में थाना में आवेदन भी दिया था, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। उनकी आर्थिक स्थिति अत्यंत नाजुक हो चुकी है और वह हर दिन अपने पति की चिंता में जी रही हैं। सोनी देवी की आवाज में दर्द और उम्मीद की झलक थी जब उन्होंने डीआईजी से मदद की अपील की।

डीआईजी नौशाद आलम ने महिला की बातों को ध्यान से सुना और मामले को बेहद संवेदनशीलता के साथ लिया। उन्होंने पलामू एसपी और संबंधित थाना प्रभारी को त्वरित कार्रवाई करने के निर्देश दिए, ताकि लापता पति का जल्द पता चल सके और महिला को न्याय मिल सके। डीआईजी का यह कदम महिला के लिए एक उम्मीद की किरण बन गया है।

सिमडेगा की बेटी देवंती कुमारी ने रचा इतिहास

संवाददाता

सिमडेगा : जिले के लिए यह अत्यंत हर्ष और गौरव का विषय है कि एक आदिवासी समाज, विशेष रूप से गोंड जनजाति से आने वाली प्रतिभाशाली छात्रा देवंती कुमारी ने एमबीबीएस की परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए 54वीं रैंक प्राप्त की है। उन्होंने न केवल जिले का, बल्कि पूरे झारखंड राज्य का नाम रोशन किया है।

देवंती कुमारी जामबाहर गाँव की निवासी हैं। उनके पिता श्री लहरू प्रधान एक किसान हैं। सीमित संसाधनों के बावजूद देवंती ने अपनी लगन, मेहनत और दृढ़ संकल्प से यह मुकाम हासिल किया है। वे बचपन से ही प्रतिभाशाली थीं। उनकी प्रारंभिक शिक्षा नवोदय विद्यालय से हुई, तत्पश्चात कोलेबिरा बागे कॉलेज से विज्ञान विषय में इंटरमीडिएट की पढ़ाई की, जिसमें उन्होंने उत्कृष्ट अंक प्राप्त किए।

डॉक्टर बनने की प्रबल इच्छा और कठिन परिश्रम के बलबूते देवंती ने मेडिकल प्रवेश परीक्षा में सफलता प्राप्त की और अनुसूचित जनजाति श्रेणी में राज्य में 54वीं रैंक हासिल की। अब वे डॉक्टर बनने की दिशा में अग्रसर हैं।

देवंती कुमारी की यह उपलब्धि न केवल उनके परिवार के लिए, बल्कि पूरे समाज के लिए प्रेरणा है। उनके संघर्ष और सफलता की कहानी आने वाली पीढ़ियों को मेहनत और आत्मविश्वास का संदेश देती है। पूर्व मंत्री विमला प्रधान से आशीर्वाद लिया जो झारखंड प्रदेश गोंड़ आदिवासी महासभा की अध्यक्ष, भी है उन्होंने बेटी को हरसंभव मदद करने का भरोसा दिया तुम आगे बढ़ो पूरा समाज तुम्हारे साथ है।

डीआईजी ने किया पुलिस निरीक्षक कार्यालय का औचक निरीक्षण, स्वच्छता पर दिया जोर

मेदिनीनगर : पलामू प्रमंडल के डीआईजी नौशाद आलम ने बुधवार देर शाम मेदिनीनगर स्थित पुलिस निरीक्षक कार्यालय का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने परिसर में साफ-सफाई की स्थिति पर असंतोष जताते हुए अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि न केवल कार्यालय बल्कि आसपास के क्षेत्रों में भी स्वच्छता सुनिश्चित की जाए।

डीआईजी ने निरीक्षण के दौरान पुलिस निरीक्षक सुरेश राम से कार्यालय के अभिलेखों और अन्य व्यवस्थाओं की जानकारी ली। निरीक्षक ने विभिन्न दस्तावेजों को दिखाते हुए डीआईजी से मार्गदर्शन भी प्राप्त किया। कार्यालय के अंदर की व्यवस्था को डीआईजी ने संतोषजनक बताया, लेकिन परिसर के बाहर फैली गंदगी और अव्यवस्था को लेकर नाराजगी जताई।उन्होंने स्पष्ट रूप से निर्देश दिया कि पुलिस थाना और अंचल निरीक्षक कार्यालय न सिर्फ प्रशासनिक कार्यों का केंद्र है, बल्कि आम जनता के विश्वास का प्रतीक भी होता है। ऐसे में स्वच्छ वातावरण कार्य संस्कृति और पुलिसकर्मियों की दक्षता को बढ़ाता है। उन्होंने कहा कि स्वच्छता न केवल स्वास्थ्य के लिए, बल्कि सकारात्मक ऊर्जा और मनोबल को बनाए रखने के लिए भी आवश्यक है।

डीआईजी ने यह भी बताया कि वे एक सप्ताह के भीतर दोबारा निरीक्षण के लिए आएंगे और देखेंगे कि सुधार हुआ है या नहीं। उन्होंने कहा कि बेहतर पुलिसिंग के लिए कार्यालयीन व्यवस्था के साथ-साथ थाना परिसर का सौंदर्यीकरण और आम नागरिकों से मधुर संबंध बनाना आवश्यक है। जनता के साथ बेहतर संवाद ही पुलिस की छवि को मजबूत करता है।

धान अधिप्राप्ति को लेकर डीसी ने की बैठक

सिमडेगा: उपायुक्त कंचन सिंह की अध्यक्षता में धान अधिप्राप्ति से संबंधित बैठक आयोजित की गई। बैठक का उद्देश्य वित्तीय वर्ष 2024-25 में धान अधिप्राप्ति योजना को शत-प्रतिशत पूर्ण करना था। बताया गया कि जिले के 23 लैंपसों के माध्यम से धान की खरीद की गई थी, जिसमें 11 किसानों को द्वितीय किस्त का भुगतान लंबित है। उपायुक्त ने लैंपस अध्यक्षों एवं सचिवों को निर्देश दिया कि जो मिलरों को धान अब तक जमा नहीं की गई है, उसे आज शाम 5 बजें तक यथाशीघ्र जमा करें। मिलरों को भी निर्देशित किया गया कि वे लैंपसों से शेष धान लेते हुए चावल आपूर्ति कार्यालय को शीघ्र समर्पित करें, ताकि लंबित किसानों को द्वितीय किस्त का भुगतान समय पर हो सके और योजना को पूर्ण किया जा सके। बैठक में जिला आपूर्ति पदाधिकारी-सह-एलआरडीसी श्रीमती अरुणा कुमारी, जिला सहकारिता पदाधिकारी श्री आत्म अभय टोप्पो, प्रखंड सहकारिता पदाधिकारी, लैंपस अध्यक्ष-सचिव, मिलर एवं अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

झारखण्ड सरकार
झारखण्ड वन

76वां राज्यव्यापी
वन महोत्सव 2025

वनों की जब रखवाली होगी
तभी पृथ्वी पर हरियाली होगी

अध्यक्ष
श्री रबीन्द्र नाथ महतो
माननीय अध्यक्ष, झारखण्ड विधानसभा

मुख्य अतिथि
श्री हेमन्त सोरेन
माननीय मुख्यमंत्री, झारखण्ड

विशिष्ट अतिथि
श्री राधा कृष्ण किशोर
माननीय मंत्री संसदीय कार्य विभाग

तथा झारखण्ड विधान सभा के सभी माननीय सदस्यों
की गरिमामयी उपस्थिति में आयोजित किया जायेगा।

दिनांक : 1 अगस्त, 2025
स्थल : नवनिर्मित विधायक आवासीय परिसर, जगन्नाथपुर, रांची

संदेश

समस्त झारखण्डवासियों को 76 वां वन महोत्सव, 2025 की हार्दिक बधाई एवं शुभकामानाएँ।

वृक्ष प्रकृति के उपहार की तरह हैं, जो पृथ्वी पर जीवन को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वे पर्यावरण को संतुलित और स्वस्थ रखने में मदद करते हैं। पूरे विश्व में तापमान को नियंत्रित करने और बारिश के लिए मौसम की स्थिति बनाने में वृक्षों की बड़ी भूमिका है। वृक्ष कार्बन डाईऑक्साईड लेकर और ऑक्सीजन छोड़ कर हवा को भी साफ करते हैं, जो सभी जीव जंतुओं के लिए महत्वपूर्ण है। इसके अतिरिक्त वृक्ष हमें लकड़ी, भोजन, ईंधन, कागज और बहुत कुछ प्रदान करते हैं, जिससे वे हमारे दैनिक जीवन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन जाते हैं।

हमारी सरकार राज्य के जल, जंगल और जमीन को समृद्ध करने के लिए कृत संकल्पित है और अपने पूर्वजों के धरोहर को संरक्षित कर उसमें और बढ़ोतरी करने के लिए हमेशा प्रयासरत रही है।

आप सभी इस बात से अवगत हैं कि पूरे विश्व में ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन का संकट मंडरा रहा है। इस वर्ष मानसून में बारिश को देख लें कि कितना परिवर्तन हो चुका है। यह मानव समाज के लिए ठीक नहीं है और हम सबको मिलकर इसे सही करने का प्रयास करना होगा। इस कड़ी में हम सब वन महोत्सव में पौधा लगाने का संकल्प लें, ताकि जलवायु का तापमान नियंत्रित रह सके, जल संकट से उबर सकें, हवा में प्रदूषण को कम किया जा सके, मिट्टी का संरक्षण हो सके, हमारे राज्य के नदी-नाले सालों भर बहते रहें और पूरा वातावरण सुन्दर और रमणीक बना रहे।

झारखण्ड राज्य देश के उन चुनिंदा राज्यों में शामिल हो गया है, जिनके भौगोलिक क्षेत्रफल का 34.38 प्रतिशत भू-भाग, राष्ट्रीय वन नीति, 1988 के अनुरूप वन एवं वृक्षावरण से आच्छादित है।

अब, हमारे लिए अपने राज्य की प्राकृतिक धरोहर को संरक्षित करने की जिम्मेदारी लेना महत्वपूर्ण है। हमें पृथ्वी की उसी तरह देखभाल करनी चाहिए जैसे वह हमारी देखभाल करती रही है। वन महोत्सव के जरिये सभी झारखण्डवासियों से अपील है कि आप पौधे लगाएं, उनको बचाएं और उसे वृक्ष बनाएं।

जोहार !
(हेमन्त सोरेन)

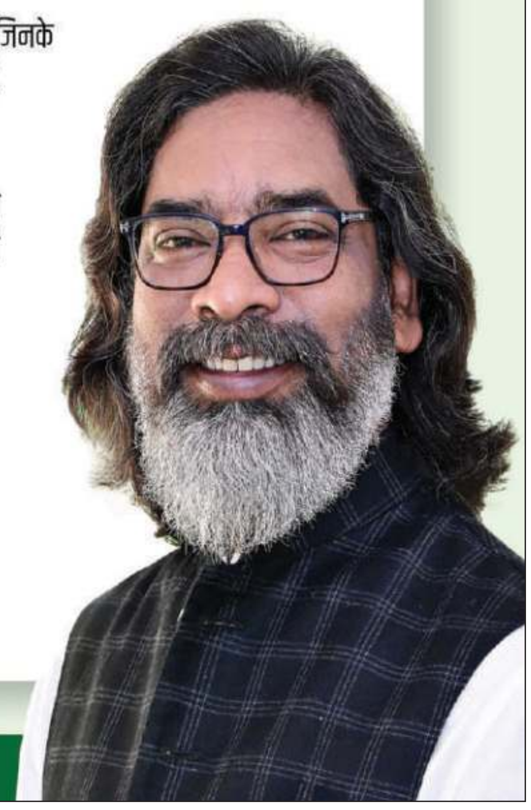

वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, झारखण्ड सरकार

PR-358668(Forest, Environment and Climate Changes)25-26